महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

आत्मविश्वास ज़िंदगी की सबसे खूबसूरत सुबह होती हैं, जो आपके पूरे दिन को खूबसूरत बनाए रखती है...

वर्ष : 16 अंक : 232 | उज्जैन, रविवार 1 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

बिहार में 100 एकड़ में बनेगा योग केंद्र, स्थापित होगी आदियोगी शिव की प्रतिमा

मुजफ्फरपुर/ जीएनएस। बिहार में बड़ा योग केंद्र का निर्माण होगा। इसके लिए जिलों में जगह की तलाश शुरू हुई है। जिस जिले में बेहतर सुविधाओं के साथ जमीन उपलब्ध होगी वहां इसका निर्माण होगा। ईशा फाउंडेशन के प्रस्ताव के बाद पर्यटन विभाग ने कवायद शुरू की है। विभाग के सचिव नीलेश रामचंद्र देवरे ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों को सौ एकड़ जमीन की उपलब्धता व विस्तृत रिपोर्ट देने का आग्रह किया है। सचिव ने पत्र में लिखा है कि योग केंद्र में ध्यान कक्ष, चिकित्सा सहायता आदि की व्यवस्था होगी। योग विज्ञान, आंतरिक कल्याण एवं मानव सशक्तीकरण के प्रतीक आदियोगी की 112 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित होगी। इसका उद्देश्य बिहार में पर्यटन को बढ़ावा देना होगा। ईशा फाउंडेशन की ओर से बताया गया है कि कोयंबटूर व बेंगलुरु में दो केंद्र संचालित हैं। देश के महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्रों के रूप में इसे जाना जाता है। यहां प्रतिवर्ष करीब एक करोड़ पर्यटक आते हैं। बिहार में पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए यहां भी एक ऐसा केंद्र स्थापित करने की योजना है। लाखों की संख्या में पर्यटक बिहार आते हैं। केंद्र की स्थापना के बाद पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। वहीं, आसपास के इलाके में बड़ी संख्या में रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। केंद्र के निर्माण के समय से ही रोजगार उपलब्ध होना शुरू हो जाएगा। केंद्र के लिए सौ एकड़ व प्रतिमा के लिए 10 से 20 एकड़ भूमि की जरूरत होगी। पर्यटन विभाग के सचिव ने पत्र में लिखा है कि 99 वर्षों की लीज पर यह भूमि ली जाएगी। लीज की अवधि बढ़ाने का भी प्रविधान होगा। इसे देखते हुए भूमि उपलब्धता के साथ विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए।

दिल्ली में 15 दिन में 807 लापता, किशोरियों के गुम होने के बढ़े मामले डरा रहे

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय राजधानी में लापता होने वाले लोगों के आंकड़े एक बड़ा ही गंभीर मुद्दा हैं। खासकर, महिला और किशोरियों के गुमशुदा होने के मामले मन में भय पैदा करते हैं। दिल्ली पुलिस इन मामलों में जो भी कार्रवाई कर रही है, वह कुछ हद तक राहत तो देते हैं लेकिन गुमशुदा लोगों के आंकड़ों को देखते पर्याप्त मालूम नहीं पड़ते। दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में 1 से 15 जनवरी के बीच कुल 807 लोग लापता हुए हैं। ऐसे में मानव तस्करी की भयावह सच्चाई भी डर कायम कर देती है। दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, प्रतिदिन औसतन 54 लोगों के गुम होने के मामलों ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इनमें से 509 महिलाएं और लड़कियां थीं, जबकि 298 पुरुष। कुल लापता मामलों में नाबालिग 191 और वयस्क 616 थे। यह आंकड़े दिल्ली में महिलाओं, खासकर किशोरियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बीच दिल्ली पुलिस ने 235 लोगों को ट्रेस किया, लेकिन 572 लोग अब भी लापता हैं। 15 दिनों में औसतन प्रतिदिन 13 बच्चों के लापता होने के मामले मिले हैं। कुल 191 नाबालिगों में 146 लड़कियां थीं। आंकड़ों के अनुसार, लापता होने के 169 मामलों में 138 किशोरियां और 31 लड़के हैं। पुलिस ने 29 लड़कियों और 19 लड़कों को खोज निकालने में सफलता मिली है। मगर 121 किशोर अभी भी लापता हैं। 8-12 वर्ष में 13 बच्चे लापता (8 लड़के, 5 लड़कियां), केवल 3 लड़के मिले।

अत्याधुनिक मशीनों से होगा कैंसर मरीजों का इलाजः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया रीवा मेडिकल कॉलेज में स्पेशल कैंसर यूनिट का भूमि-पूजन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रीवा, विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए ट्रेन के इंजन के समान है, जो संपूर्ण विंध्य को गति प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश सभी चुनौतियों को पार करते हुए सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए यूक्रेन और उसके आसपास के देशों में जाते थे। वहां जब युद्ध के हालात बने तो प्रधानमंत्री श्री मोदी एक-एक भारतीय को स्वदेश वापस लेकर आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को रीवा के श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय के विस्तारीकरण कार्य का भूमि-पूजन करने के बाद जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार में उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल लगातार 24 घंटे सबसे अच्छा काम करके दिखा रहे हैं। इसके सुखद परिणाम भी सामने आ रहे हैं। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास कार्यों की गति निरंतर जारी है। रीवा में नया अस्पताल भवन बनने के बाद 2400 से अधिक बेड की क्षमता हो जाएगी। आजादी के बाद 55 वर्षों में प्रदेश में सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे। हमारी सरकार आने के बाद 2 साल में ही 6 शासकीय मेडिकल कॉलेज खुले हैं। प्रदेश के प्रमुख जिलों के साथ जनजातीय अंचलों में भी मेडिकल कॉलेज खोलने की पहल की गई है। बहुत जल्द मध्यप्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 50 हो जाएगी। रीवा के नए अस्पताल भवन में कार्डियोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और कैंसर के इलाज के लिए स्पेशल यूनिट बनेगी। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर में भी अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से कैंसर मरीजों को इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों का समान महत्व है। विंध्य के सिंगरौली को भी मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल गई है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार का ही परिणाम है कि अब मध्यप्रदेश में मेडिकल अंडर ग्रेजुएट के लिए सीटों की संख्या 5500 हो चुकी है। आगामी वर्षों में हर साल 10 हजार डॉक्टर मेडिकल की पढ़ाई पूर्ण कर निकलेंगे। प्रदेश में नर्सिंग और पैरा मेडिकल के लिए भी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रीवा के श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय के विस्तारीकरण के लिए लगभग 350 करोड़ की लागत से विकास कार्यों का भूमि-पूजन हुआ है। इनमें 15 अलग-अलग विकास कार्य भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा के पास गुढ़ क्षेत्र में बाबा भैरवनाथ लोक परिसर का लोकार्पण भी किया गया है। यह मंदिर भविष्य में अद्भुत तीर्थ बनेगा। इसके पास गुढ़ में 750 मेगावॉट क्षमता का सोलर प्लांट भी बना है। राज्य सरकार ने पर्यटन और धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की है। रीवा के लोग भाग्यशाली हैं, जिन्हें सीधे दिल्ली के लिए हवाई सेवा मिली है। देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश में एयर एंबुलेंस शुरू की गई है।

उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव रीवा के विकास को गति प्रदान करने के लिए लगभग 350 करोड़ रुपए लागत के कार्यों का भूमि-पूजन कर रहे हैं। रीवा में 70 साल पुराना मेडिकल कॉलेज है। यहां मेडिकल कॉलेज में निरंतर एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाई जा रही है। भविष्य में यहां एक साल 200 विद्यार्थी मेडिकल की पढ़ाई कर सकेंगे। रीवा मेडिकल कॉलेज को नए इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है। राज्य सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रदेशभर में स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास कर रही है। प्रदेश में अब 19 शासकीय मेडिकल कॉलेज हो चुका हैं। प्रदेश में निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 14 है। भविष्य में 6 नए मेडिकल कॉलेज आकार लेंगे। बहुत जल्द प्रदेश में कुल 33 मेडिकल कॉलेज संचालित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने आगामी 5 वर्षों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 50 अधिक करने का लक्ष्य रखा है। ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की संख्या पर्याप्त हो जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेडिकल कॉलेजों के अधोसंरचना विकास के लिए रीवा को 322 करोड़, जबलपुर को 772 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। ग्वालियर और जबलपुर मेडिकल कॉलेजों के डीपीआर बनने के बाद प्रत्येक को 800 करोड़ रुपए स्वीकृति किए जाएंगे। रीवा को मिली 322 करोड़ राशि से 200 बेड क्षमता का कैंसर अस्पताल बनाया जाएगा। इसके लिए 100 करोड़ की अतिरिक्त लागत से आधुनिक मशीनें खरीदी जाएंगी। प्रदेशभर में कैंसर के इलाज और शोध के लिए 5 ऐसे केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में रीवा को स्वास्थ्य क्षेत्र की बड़ी सौगात मिल रही है। अब विंध्य की धरती पर कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों के इलाज की सुविधा मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ब्राह्माकुमारी संस्थान रीवा द्वारा दिव्य गुणों की माला पहनाई गई। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, जनप्रतिनिधि, डीन मेडिकल कालेज डॉ. सुनील अग्रवाल सहित चिकित्सक उपस्थित रहे।

राजनीतिक ध्रुवीकरण पर नोबेल विजेता अर्थशास्त्री का बड़ा बयान, कहा- देश को वैश्विक निवेशकों के लिए एक रहस्य बना रहा

नई दिल्ली/ जीएनएस। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने कहा है कि भारत में बढ़ता राजनीतिक ध्रुवीकरण पारदर्शिता को कमजोर कर रहा है और देश को वैश्विक निवेशकों के लिए एक रहस्य बना रहा है, भले ही आर्थिक वृद्धि के आंकड़े मजबूत बने हुए हों।

बनर्जी ने समाचार एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि आर्थिक दृष्टि से आज देश के सामने सबसे अहम मुद्दे मीडिया की स्वतंत्रता और पारदर्शिता हैं। उन्होंने कहा कि निवेशकों के लिए राजनीतिक बयानबाजी से ज्यादा आंकड़ों की विश्वसनीयता मायने रखती है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत दौर से गुजर रहा है। कई टकराव लंबे समय से जारी हैं और हमें एक राष्ट्र के रूप में तय करना होगा कि हम खुद को कितना खुला और भरोसेमंद दिखाना चाहते हैं। असली मुद्दे मीडिया की स्वतंत्रता से जुड़े हैं। बनर्जी ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही हैं- मीडिया की स्वतंत्रता और पारदर्शिता। क्या हमें सच में पता है कि आंकड़े क्या कह रहे हैं? निवेशक यही देखते हैं।

विदेशी निवेश को अस्थिर और अत्यधिक अनिश्चित बताया- हालांकि, भारत में विदेशी निवेश आता रहा है, लेकिन उन्होंने इसे अस्थिर और अत्यधिक अनिश्चित बताया। उन्होंने कहा, 'हमने विदेशी निवेश के मोर्चे पर ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है, लेकिन यह अस्थिर है। रुपया इसलिए कमजोर हो रहा है क्योंकि पैसा पर्याप्त तेजी से नहीं आ रहा।'

बनर्जी ने आगाह किया कि नीतिगत अनिश्चितता और आंतरिक ध्रुवीकरण दीर्घकालिक निवेश गंतव्य के रूप में भारत की साख को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लोगों को पता होना चाहिए कि नीति के नियम क्या हैं। क्या किसी खास कंपनी के प्रति रवैये में अचानक बदलाव होगा?'

बनर्जी ने कहा, जब तक हमारे पास एक बेहद पूर्वानुमेय और पारदर्शी नीतिगत ढांचा और स्वतंत्र मीडिया नहीं होगा, भारत दुनिया के लिए एक रहस्य बना रहेगा। उन्होंने कहा कि अगर भारत अपने पूंजी बाजारों को मजबूत करना और दीर्घकालिक वैश्विक पूंजी आकर्षित करना चाहता है, तो मन कि कभी-कभार।

यूपी में अब हाजीपुर का बदल गया नाम

भरावन/ जीएनएस। मुगलकाल में गोमती नदी की तलहटी में बसे गांव का रखा गया हाजीपुर नाम अब फाइलों से गायब होगा, सुनील तिवारी की अथक मेहनत व एमएलसी अशोक अग्रवाल के प्रयास से गांव का नाम शनिवार को हाजीपुर से सियारामपुर होने से गांव जश्न में डूब गया। ग्रामीणों ने एक दूसरे को मिठाइयां खिलाते हुए बधाइयां दीं। भाजपा किसान मोर्चा के निवर्तमान जिला मंत्री सुनील तिवारी व ग्राम प्रधान गुज्जो देवी उर्फ आशा ने वर्ष 2022 में एमएलसी अशोक अग्रवाल को गांव में मुस्लिम न होने का हवाला देते हुए हाजीपुर को सियारामपुर में परिवर्तित करवाने के लिए पत्र दिया था। एमएलसी ने तत्कालीन डीएम मंगला प्रसाद सिंह को प्रस्ताव भेजा था, जिस पर डीएम ने रिपोर्ट मंगवाई थी, जिसमें भूमि प्रबंधन ने गांव में निवास कर रहे 209 परिवारों में बसने वाली 1118 लोगों की आबादी में मुस्लिम आबादी न होने की रिपोर्ट प्रेषित की थी। इसी दौरान एमएलसी ने जिला पंचायत की बैठक में गांव का नाम बदले जाने का प्रस्ताव रखा था।

दंपती को 31 सप्ताह से अधिक के भ्रूण को समाप्त करने की मिली अनुमति, केरल HC ने दिया फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरल हाई कोर्ट ने एक दंपती को अपने 31 सप्ताह से अधिक के भ्रूण को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दे दी है। शिशु मस्तिष्क और सिर की जन्मजात विकृतियों से ग्रस्त है। न्यायालय ने दंपती को गर्भपात की अनुमति दे दी है।न्यायमूर्ति शोभा अन्नम्मा ईपेन ने चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर गर्भपात की अनुमति दी, जिसमें कहा गया था कि यदि शिशु का जन्म होता है, तो वह गंभीर शारीरिक विकृतियों से ग्रस्त होगा। बोर्ड ने यह भी राय दी थी कि गर्भावस्था जारी रखने से महिला के मानसिक स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। न्यायालय ने तथ्यों, रिकार्ड में मौजूद सामग्रियों, इस विषय पर स्थापित कानूनी सिद्धांतों और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि गर्भपात से इन्कार करना केवल अपरिहार्य को टालने और परिवार के कष्टों को बढ़ाने का कारण बन सकता है।

सुनेत्रा महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बनीं, 12 मिनट का शपथ ग्रहण; शरद पवार नहीं पहुंचे

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुनेत्रा पवार ने आज शनिवार 31 जनवरी 2026 को महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। यह समारोह लोक भवन, मुंबई में आयोजित किया गया, जहां राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ मराठी भाषा में ली गई। समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे।

शपथ पूरी होते ही पार्टी समर्थकों ने जोरदार तरीके से अजित दादा अमर रहे के नारे लगाये। समर्थकों ने न सिर्फ दिवंगत नेता को याद किया बल्कि सुनेत्रा पवार को उत्साह से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

कैसे आया यह बदलाव- पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक दुखद घटना हुई थी। उनके पति और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार का 28 जनवरी को बारामती में विमान दुर्घटना में निधन हो गया। वे 66 वर्ष के थे। उनके निधन के बाद एनसीपी (अजित पवार गुट) ने शुक्रवार को आपात बैठक कर सुनेत्रा पवार को पार्टी का नेता चुना और बाद में उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी स्वीकार करने का प्रस्ताव दिया गया।

बंगाल में फिर शुरू हुआ हिंसा और धमाकों का दौर, विस्फोट के बाद तृणमूल नेता की कार के उड़े परखच्चे

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक सरगर्मी के बीच हिंसा और धमाकों का दौर शुरू हो गया है। दक्षिण 24 परगना जिले के कुलपी इलाके में शनिवार तड़के तृणमूल कांग्रेस के एक नेता की कार में भीषण विस्फोट हुआ।

धमाका इतना शक्तिशाली था कि कार के परखच्चे उड़ गए और जिस गैरेज में वाहन खड़ा था, उसकी एस्बेस्टस की छत पूरी तरह तबाह हो गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना के समय वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। आधी रात का खौफ और आरोप-प्रत्यारोप

घटना छामनाबुनी गांव की है, जहां तृणमूल के बूथ अध्यक्ष कुतुबुद्दीन पाइक के घर के बाहर स्थित गैरेज में धमाका हुआ। कुतुबुद्दीन के अनुसार, रात करीब एक बजे एक जोरदार आवाज ने पूरे गांव को जगा दिया। जब लोग मौके पर पहुंचे, तो वहां का मंजर भयावह था। पीड़ित नेता ने सीधे तौर पर विधायक नौशाद सिद्दीकी के नेतृत्व वाली इंडियन सेकुलर फ्रंट (आईएसएफ) पर हमला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है, पहले भी मेरे घर को निशाना बनाया गया है। विपक्षी दल चुनावों से पहले दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

आईएसएफ का कहना है, गाड़ी में रखे बम खुद फटे- दूसरी ओर, आइएसएफ ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए तृणमूल पर ही गंभीर सवाल उठाए हैं।

अजितदादा के विजन को करेंगी साकार; महाराष्ट्र डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार को पीएम मोदी की बधाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिवंगत एनसीपी प्रमुख अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। इस पद को संभालने वाली वह पहली महिला हैं। महाराष्ट्र राजभवन में हुए एक छोटे से कार्यक्रम में एनसीपी, भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट के नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने पद और गरिमा की शपथ ली।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई संदेश दिया। पीएम ने लिखा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वह राज्य के लोगों के कल्याण के लिए अथक परिश्रम करेंगी और दिवंगत अजित दादा पवार के विजन को साकार करेंगी। महाराष्ट्र राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह के समाप्त होने के कुछ देर बाद ही पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अपना बधाई संदेश दिया। उन्होंने लिखा, ÷महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री बनने और इस दायित्व को संभालने वाली पहली महिला बनने पर, सुनेत्रा पवार जी को हार्दिक शुभकामनाएँ। मुझे विश्वास है कि वह राज्य के लोगों के कल्याण के लिए अथक परिश्रम करेंगी और दिवंगत अजितदादा पवार के विजन को साकार करेंगी।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व में सत्ताधारी गठबंधन महायुति में अजित पवार की एनसीपी भी शामिल है। विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के बाद अजित पवार उप मुख्यमंत्री बने थे। उनके पास वित्त, खेल और आबकारी जैसे अहम मंत्रालय भी थे।

28 जनवरी को बारामती जाते समय उनका हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद तमाम अटकलों के बीच एनसीपी विधायक दल ने उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपना नेता चुना और फिर उन्होंने राज्य की पहली महिला उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। एनसीपी शरद पवार गुट की तरफ से पहले ऐसी बातें की जा रही थीं कि मृत्यु से पहले अजित पवार पार्टी के दोनों धड़ों को एक साथ आने के लिए बात कर रहे थे। इसी बीच उनकी मृत्यु हो गई। वरिष्ठ नेता शरद पवार से जब सुनेत्रा के शपथ ग्रहण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है। इसी बीच सुनेत्रा के शपथ ग्रहण में शरद गुट की तरफ से कोई भी नजर नहीं आया।

उनकी ननद और शरद गुट की नेत्री सुप्रिया सुले शपथ ग्रहण के समय उनके पैतृक गांव में नजर आईं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह यहां पर काकी (अजित पवार की मां) से मिलने के लिए आईं हैं, कल से बजट सत्र शुरू है ऐसे में उन्हें दिल्ली निकलना है। हालांकि इस दौरान उन्होंने शपथ ग्रहण से जुड़े किसी सवाल का जवाब नहीं दिया।

यातायात जागरूकता रैली एवं ट्रैफिक पाठशाला के साथ इंदौर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह- 2026 का समापन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुगम, सुरक्षित एवं सुखद यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह2026 के अंतर्गत चलाए गए व्यापक जागरूकता अभियान का समापन आज यातायात जागरूकता पैदल रैली एवं स्कूलङ्कॉलेजों में आयोजित ट्रैफिक पाठशाला के साथ किया गया। यह अभियान पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त यातायात प्रबंधन श्री आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक संचालित किया गया।

समापन अवसर पर डेली कॉलेज इंदौर में आयोजित ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यशाला में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा का महत्व बताते हुए रेड लाइट का पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग तथा नियंत्रित गति से वाहन चलाने जैसे बुनियादी नियमों को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इंदौर पुलिस के समन्वित प्रयासों से पिछले वर्षों की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं एवं मृत्यु की घटनाओं में कमी आई है, जिसे नागरिकों के सहयोग से और भी कम किया जा सकता है। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त यातायात श्री आनंद कलादगी सहित यातायात विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान यातायात पुलिस द्वारा शहरभर में 54 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से लगभग 28 हजार लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और लाखों नागरिकों को अप्रत्यक्ष रूप से सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा का संदेश पहुंचाया गया। इस दौरान स्कूलङ्कॉलेजों एवं विभिन्न संस्थानों में ट्रैफिक पाठशाला, ट्रैफिक पार्क भ्रमण, नुक्कड़ नाटक एवं रोचक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों और युवाओं को सरल एवं प्रभावी ढंग से यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

इसके साथ ही यातायात रथ एवं डिजिटल रथ के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर फोटोङ्कवीडियो प्रेजेंटेशन, सड़क सुरक्षा गीत एवं फिल्में प्रदर्शित कर नागरिकों को नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया। वाहन चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर, महिला स्कूटर रैली, बाइक रैली एवं पैदल रैली जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। हेलमेट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जरूरतमंद चालकों को हेलमेट वितरित किए गए तथा नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को सम्मानित भी किया गया।

शहर के जिम्मेदार नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक प्रहरी अभियान के अंतर्गत 2970 नागरिकों ने अपनी सेवाएं दीं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष सड़क सुरक्षा झांकी के माध्यम से भी हजारों नागरिकों को ÷सड़क सुरक्षाङ्कजीवन रक्षा÷ का संदेश दिया गया। जागरूकता के साथ-साथ शहर के प्रमुख चौराहों पर सख्त यातायात कार्रवाई एवं अनाउंसमेंट के माध्यम से नागरिकों को नियमों के पालन के लिए निरंतर प्रेरित किया गया।

सड़क सुरक्षा माह के समापन पर आयोजित भव्य जागरूकता पैदल रैली को पुलिस उपायुक्त यातायात श्री आनंद कलादगी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में बड़ी संख्या में छात्रङ्कछात्राएं, ट्रैफिक प्रहरी, नागरिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिन्होंने तख्तियों और बैनरों के माध्यम से आमजन से यातायात नियमों के पालन की अपील की।

विकसित भारत- जी रामजी योजना को लेकर भाजपा इंदौर जिला ग्रामीण का जिला सम्मेलन संपन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विकसित भारत- जी रामजी योजना को लेकर भारतीय जनता पार्टी इंदौर जिला ग्रामीण का जिला सम्मेलन शनिवार को सर्व ब्राह्मण धर्मशाला, रेवती रेंज में संपन्न हुआ। सम्मेलन में कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, राज्यसभा सदस्य कविता पाटीदार, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, जितु जिराती तथा ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस द्वारा जी रामजी योजना को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है, जिसे दूर करने के लिए भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचेंगे।

भाजपा नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में आए आर्थिक सर्वेक्षण में भी यह स्पष्ट हुआ है कि जहां पूरी दुनिया मंदी के दौर से गुजर रही है, वहीं भारत तेज़ी से विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक गांव, किसान, मजदूर और गरीब वर्ग आगे नहीं बढ़ेगा, तब तक देश का विकास संभव नहीं है। इसी सोच के तहत पुराने कानून में सकारात्मक बदलाव करते हुए मजदूरों को अधिक मजदूरी और सम्मानजनक रोजगार देने के उद्देश्य से नया जी रामजी बिल लाया गया है, जिसे पहले मनरेगा के नाम से जाना जाता था।

नेताओं ने कहा कि जी रामजी योजना ग्रामीण क्षेत्र की मूल आधारशिला है। ग्रामीण परिवेश में राम-राम सम्मानजनक अभिवादन है और भगवान राम हमारे आराध्य हैं, इसी भावनात्मक और सांस्कृतिक सोच के साथ इस योजना का नाम जी रामजी रखा गया है। सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया तथा अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

जिला सम्मेलन में भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, जिला पंचायत सदस्य, सरपंच, जनपद प्रतिनिधि, अनेक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रामस्वरूप गेहलोत ने किया तथा आभार तुफान सिंह पंवार ने व्यक्त किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी विनोद चंदानी ने दी।

पुलिस ने रहवासियों के साथ किया जनसंवाद, कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था पर हुई विस्तृत चर्चा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराधों पर नियंत्रण एवं आमजन से बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत लगातार जन-जागरूकता एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिनांक 30 जनवरी 2026 को लसूड़िया थाना क्षेत्र अंतर्गत एम.आर.-11 स्थित कनक एवेन्यू कॉलोनी के क्लब हाउस परिसर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा कॉलोनी के रहवासियों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस जनसंवाद कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमरेंद्र सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त श्री पराग सैनी, थाना प्रभारी लसूड़िया श्री तारेश कुमार सोनी सहित लसूड़िया थाने का पुलिस बल उपस्थित रहा।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने कॉलोनी के रहवासियों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जनसंवाद के दौरान कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सीसीटीवी कैमरों की आवश्यकता, उनकी प्रभावी मॉनिटरिंग, कॉलोनी की सीमाओं को नियंत्रित करने, प्रवेश एवं निकास द्वारों पर सुरक्षा व्यवस्था, निजी सुरक्षा गार्डों की भूमिका सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत धनखेड़ी में निर्माणाधीन 80 एमएलडी एसटीपी का आयुक्त ने किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत सांवेर रोड स्थित ग्राम धनखेड़ी में निर्माणाधीन 80 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों का आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री श्री अश्विनी जनवदे, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री उपस्थित रहे।

आयुक्त श्री सिंघल ने अमृत 2.0 योजना के पैकेज-1 के अंतर्गत बनाए जा रहे इस एसटीपी के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कान्ह नदी के शुद्धिकरण एवं सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए सीवर उपचारण से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने सीवर नेटवर्क के सर्वे को भी पूरी गंभीरता और शुद्धता के साथ किए जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने ठेकेदार फर्म को कार्य स्थल पर आवश्यक तकनीकी स्टाफ की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, पर्याप्त लेबर एवं मशीनरी उपलब्ध कराने तथा निर्माण कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए किए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे।

आयुक्त श्री सिंघल ने री-यूज ट्रीटेड वाटर को सिंचाई के लिए उपयोग में लाने की संभावनाओं पर भी सर्वे कराने के निर्देश दिए, जिससे जल संसाधनों का बेहतर एवं टिकाऊ उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

महापौर ने किया सिरपुर तालाब क्षेत्र का निरीक्षण, रामसर साइट सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव द्वारा गुरुवार को सिरपुर तालाब क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य प्रभारी श्री अश्विनी शुक्ल, क्षेत्रीय पार्षद श्री महेश चौधरी, अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह, कार्यपालन यंत्री श्री सुमित अस्थाना सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महापौर श्री भार्गव ने सिरपुर तालाब रामसर साइट क्षेत्र में आगामी वेटलैंड डे के आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए तालाब परिसर का विभागीय अधिकारियों के साथ अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने तालाब क्षेत्र की स्वच्छता, संरक्षण, सौंदर्यीकरण एवं व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए, ताकि वेटलैंड डे के अवसर पर नागरिकों एवं पर्यावरण प्रेमियों के बीच सकारात्मक संदेश पहुंचाया जा सके।

निरीक्षण के क्रम में महापौर ने सिरपुर क्षेत्र में निर्माणाधीन कचरा ट्रांसफर स्टेशन का भी जायजा लिया। अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि नवीन जीटीएस में कैप्सूल के लिए दो शेड प्रस्तावित हैं, जिनमें से एक शेड का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। महापौर ने शेष शेड का निर्माण आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण से पूर्व पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए, जिससे शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिल सके।

इसके पश्चात महापौर श्री भार्गव ने सिरपुर के समीप निर्माणाधीन ग्रीन वेस्ट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्लांट का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए तथा कार्य के दौरान स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और पर्यावरणीय मानकों का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए।

महापौर के इस निरीक्षण को शहर में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता व्यवस्था एवं आधारभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मेयर इन कौंसिल की बैठक संपन्न, 1500 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में महापौर सभाकक्ष में मेयर इन कौंसिल की बैठक संपन्न हुई, जिसमें शहर के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से 1500 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित महापौर परिषद के सदस्य, अपर आयुक्त, विभाग प्रमुख एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए महापौर श्री भार्गव ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इंदौर के भविष्य को ध्यान में रखते हुए नर्मदा के चौथे चरण की योजना के माध्यम से आने वाले समय में लगभग 60 लाख की आबादी को पर्याप्त एवं सुचारू पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए शहर में नई पेयजल टंकियों के निर्माण के साथ ही पुरानी टंकियों के सुधार एवं जल क्षमता बढ़ाने के कार्यों को तेज गति से पूर्ण किया जाएगा।

मेयर इन कौंसिल की बैठक में अमृत परियोजना के अंतर्गत शहर में जलप्रदाय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 40 नवीन पेयजल टंकियों के निर्माण तथा 75 से अधिक पुरानी टंकियों की जल वितरण लाइनों को बदलने के कार्यों को स्वीकृति दी गई। पैकेज-4 के तहत लगभग 497 करोड़ रुपये की लागत से पुराने जल वितरण नेटवर्क को घरेलू सेवा कनेक्शन एवं निगरानी प्रणाली के साथ प्रतिस्थापित कर 24म7 जल आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। वहीं पैकेज-2 के अंतर्गत 448 करोड़ रुपये की लागत से अमृत 2.0 योजना के तहत 10 वर्षों के संचालन एवं रखरखाव सहित 2235 मिमी व्यास एवं 38,850 मीटर लंबाई की स्वच्छ जल पाइपलाइन के कार्यों को मंजूरी दी गई। इसके अलावा पैकेज-3 के अंतर्गत 410 करोड़ रुपये की लागत से 20 नए ओवरहेड टैंक एवं 29 मौजूदा ओवरहेड टैंकों के वितरण नेटवर्क के विकास को स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में नगरीय सीमा के मुख्य मार्गों, फीडर रोड, लिंक रोड एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत से 30 रोड स्वीपिंग मशीनों के किराए पर संचालन हेतु निविदा आमंत्रण की स्वीकृति भी दी गई। साथ ही शहर में स्थित शासकीय उद्यानों, ग्रीन बेल्ट, डिवाइडर, चौराहों एवं रोटरियों के विकास एवं रखरखाव के लिए रजिस्टर्ड संस्थाओं को गोद दिए जाने का निर्णय लिया गया।

मेयर इन कौंसिल की इस बैठक में लिए गए निर्णयों से इंदौर शहर में जलप्रदाय, स्वच्छता एवं हरित क्षेत्रों के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने किया इंदौर स्टेशन का निरीक्षण, रीडेवलपमेंट कार्यों की समीक्षा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने 31 जनवरी 2026 को इंदौर प्रवास के दौरान इंदौर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया तथा स्टेशन रीडेवलपमेंट सहित रतलाम मंडल द्वारा किए जा रहे विभिन्न निर्माण एवं यात्री सुविधा संबंधी कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास एवं निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध एवं उच्च गुणवत्ता के अनुरूप पूर्ण किया जाए।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कंस्ट्रक्शन कार्यालय में आयोजित बैठक में इंदौर स्टेशन रीडेवलपमेंट परियोजना सहित क्षेत्र में संचालित विभिन्न रेलवे विकास कार्यों की जानकारी पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी गई। बैठक में स्टेशन रीडेवलपमेंट की प्रगति, यात्री सुविधाओं के विस्तार, संरचनात्मक कार्य, गुणवत्ता नियंत्रण एवं समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी ने माननीय मंत्री को इंदौर क्षेत्र में रेलवे के अंतर्गत संचालित प्रमुख विकास एवं निर्माण परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने इंदौर- दाहोद नई रेल लाइन, इंदौर- खंडवा रेल खंड के आमान परिवर्तन, इंदौर-मनमाड एवं इंदौरङ्कबुधनी नई रेल लाइनों सहित अन्य प्रगतिरत परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। साथ ही लगभग 75 वर्ष पुराने शास्त्री ब्रिज के पुनर्निर्माण प्रस्ताव एवं क्षेत्र की भविष्य की आवश्यकताओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

माननीय श्री सोमन्ना ने इंदौर स्टेशन रीडेवलपमेंट एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए रेलवे अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण की जाएं, ताकि यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

1 फरवरी इंदौर मैराथन के दौरान बदली रहेगी यातायात व्यवस्था, आमजन से सहयोग की अपील

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में रविवार 1 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाली इंदौर मैराथन के मद्देनज़र यातायात व्यवस्था में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। यह मैराथन 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर एवं 21 किलोमीटर की श्रेणियों में आयोजित की जाएगी। 5 किलोमीटर की रन राजवाड़ा से प्रारंभ होगी, जबकि 10 एवं 21 किलोमीटर की रन नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर निर्धारित मार्गों से होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम पर समाप्त होगी। मैराथन के आयोजन के दौरान प्रातः 5 बजे से लेकर कार्यक्रम की समाप्ति तक मैराथन मार्गों पर वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इस अवधि में नागरिकों से अनुरोध है कि वे निर्धारित वैकल्पिक एवं परिवर्तित मार्गों का उपयोग करें।

21 किलोमीटर मैराथन का मार्ग नेहरू स्टेडियम से जीपीओ, शिवाजी वाटिका, पलासिया, रीगल, जिला न्यायालय के सामने से मृगनयनी, गणेश केप होते हुए पुनः रीगल, पलासिया, एलआईजी, परदेसीपुरा, एलआईजी, एमआर-9, विजयनगर चौराहा से वापस पलासिया, शिवाजी वाटिका, जीपीओ होते हुए नेहरू स्टेडियम तक रहेगा। 10 किलोमीटर मैराथन नेहरू स्टेडियम से पलासिया, एलआईजी, परदेसीपुरा, व्हाइट चर्च से होकर वापस एलआईजी, पलासिया, व्हाइट चर्च होते हुए नेहरू स्टेडियम तक संपन्न होगी। वहीं 5 किलोमीटर मैराथन राजवाड़ा से रीगल, हाईकोर्ट, पलासिया, व्हाइट चर्च होते हुए नेहरू स्टेडियम तक आयोजित की जाएगी।

मैराथन के दौरान बसों एवं अन्य चार पहिया वाहनों के लिए भी परिवर्तित मार्ग निर्धारित किए गए हैं। देवास से आने वाली बसें जो सरवटे बस स्टैंड जाना चाहती हैं, वे रेडिसन से रोबोट चौराहा होते हुए अग्रसेन, पिपलियाहाना, तीन इमली, नौलखा, अग्रसेन से छावनी चौराहा, अर्जुन प्याऊ, गुजराती कॉलेज होते हुए सरवटे बस स्टैंड पहुंचेंगी। खंडवा एवं खरगोन की ओर से आने वाली बसें नौलखा से अग्रसेन, छावनी चौराहा, अर्जुन प्याऊ एवं गुजराती कॉलेज होकर सरवटे बस स्टैंड पहुंचेंगी। सरवटे बस स्टैंड से जाने वाली बसें मधुमिलन, छावनी, अग्रसेन चौराहा, नौलखा होते हुए आगे की ओर संचालित होंगी।

एयरपोर्ट की ओर जाने वाले वाहन नवलखा चौराहा एवं कलेक्टोरेट होते हुए आवागमन कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त विजयनगर क्षेत्र से एमआर-10 एवं सुपर कॉरिडोर के माध्यम से भी एयरपोर्ट की ओर आवागमन की सुविधा रहेगी। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रमुख चौराहों, डायवर्शन पॉइंट्स एवं मार्गों पर ट्रैफिक पुलिस बल एवं वॉलंटियर्स तैनात रहेंगे। एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं का संचालन निर्बाध रूप से जारी रहेगा।

नर्मदा साहित्य मंथन के चतुर्थ सत्र में आदि अंचित बोले, आत्मनिर्भर विकास मॉडल ही भारत की वास्तविक ताकत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नर्मदा साहित्य मंथन- भारत उदय के चतुर्थ सत्र का आयोजन विश्व पटल पर भारतः चुनौती और तैयारी विषय पर किया गया। सत्र को संबोधित करते हुए जियो पॉलिटिकल एनालिस्ट श्री आदि अंचित ने कहा कि आज वैश्विक मंच पर भारत के समक्ष मौजूद चुनौतियाँ केवल राजनीतिक या आर्थिक नहीं हैं, बल्कि सांस्कृतिक और वैचारिक स्तर पर भी गहराती जा रही हैं। पश्चिमी उपभोक्तावादी जीवन-शैली और एकांगी वैश्वीकरण भारतीय मूल्य-बोध, सामाजिक संतुलन और सांस्कृतिक चेतना के लिए गंभीर चुनौती के रूप में सामने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र का अपना स्पष्ट राष्ट्रीय हित होता है और यदि कोई देश भारत के विरुद्ध अनुचित आचरण करता है, तो उसे रोकना और दोषियों को दंडित करना राष्ट्रहित की स्वाभाविक प्रक्रिया है। आज वैश्विक राजनीति में अधिकांश देश अपने अस्तित्व और प्रभाव को बनाए रखने के लिए कठोर निर्णय ले रहे हैं, जहां कई शक्तिशाली राष्ट्र दबाव की राजनीति और वर्चस्ववादी रवैया अपनाते दिखाई देते हैं।

श्री अंचित ने कहा कि डॉलर की बढ़ती शक्ति के साथ वैश्विक व्यवस्था में ध्रुवीकरण तेज हुआ है, लेकिन भारत की आर्थिक नीति किसी डॉलर-विरोधी सोच पर आधारित नहीं है। भारत का लक्ष्य रुपये को मजबूत करना और आत्मनिर्भर विकास मॉडल को आगे बढ़ाना है, जिससे देश को संतुलित और स्वतंत्र वैश्विक भूमिका मिलती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की निरंतर भारत-विरोधी नीति के कारण वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग पड़ता जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत के सामने सीमा सुरक्षा, आतंकवाद, भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा, जलवायु परिवर्तन और सांस्कृतिक अस्मिता जैसी अनेक अंतरराष्ट्रीय चुनौतियाँ हैं। इनका समाधान केवल कूटनीति या सैन्य शक्ति से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए एक समर्थ, स्वावलंबी और चरित्रवान समाज का निर्माण आवश्यक है।

श्री अंचित ने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना, युवा ऊर्जा, वैज्ञानिक क्षमता और सुदृढ़ लोकतांत्रिक परंपरा में निहित है। जब भारत अपनी सनातन सोच वसुधैव कुटुम्बकम् के साथ आगे बढ़ेगा, तब वह विश्व को केवल सामरिक शक्ति का उदाहरण ही नहीं, बल्कि नैतिक और वैचारिक मार्गदर्शन भी प्रदान करेगा। यही भारत की वैश्विक भूमिका का मूल और भविष्य का पथ है।

पुलिस ने आमजन के साथ की जन-जागरूकता बैठक, साइबर अपराध व नशे के दुष्परिणामों पर किया जागरूक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराधों पर नियंत्रण एवं आमजन से बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत लगातार जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिनांक 30 जनवरी 2026 को डीसीपी ज़ोनङ्क3 श्री राजेश व्यास द्वारा थाना पलासिया क्षेत्र अंतर्गत बड़िगवालटोली मोहल्ले में नागरिकों के साथ एक जन-जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एसीपी श्री तुषार सिंह, थाना प्रभारी पलासिया निरीक्षक श्री सुरेन्द्र रघुवंशी सहित पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। बैठक का उद्देश्य नागरिकों को यातायात सुरक्षा नियमों, नशे के विरुद्ध अभियान, महिला सुरक्षा, कानून संबंधी जानकारी तथा साइबर अपराधों से बचाव जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक करना रहा। डीसीपी ज़ोन- 3 श्री राजेश व्यास ने नागरिकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें, नशे से दूर रहें तथा अपने आसपास किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

आयोजन से महोत्सव की जड़ें हुई मजबूत, अब बनेगा वृहद वृक्ष- कलेक्टर अदिति गर्ग

तीन दिवसीय द्वितीय सीतामऊ साहित्य महोत्सव का हुआ समापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ स्थित नटनागर शोध संस्थान में 29 से 31 जनवरी तक आयोजित द्वितीय सीतामऊ साहित्य महोत्सव का आज समापन हुआ। तीन दिवसीय इस साहित्यिक आयोजन में देशभर से पधारे साहित्यकारों, विचारकों, इतिहासकारों, कलाकारों एवं पर्यावरणविदों ने अपने विचारों से श्रोताओं को समृद्ध किया। महोत्सव एक नॉलेज कुंभ के रूप में विकसित हुआ, जिसका सभी उपस्थितजनों ने लाभ उठाया।

कविता संवेदना से जन्म लेती है ⁼ पद्मश्री ज्ञान चतुर्वेदी- पद्मश्री ज्ञान चतुर्वेदी ने किस्से कहानियां विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि कविता वही बनती है, जिसे लेखक ने स्वयं महसूस किया हो। लेखन में संवेदना का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पुल और नदी के माध्यम से उदाहरण देते हुए कहा कि जीवन को भीतर उतरकर समझना ही सच्ची रचना का आधार है। उन्होंने सरल, सहज और बोलचाल की भाषा को लेखन की आत्मा बताया तथा व्यंग्य रचना भी प्रस्तुत की।

इतिहास स्वयं को दोहराता है ⁼ रज़ा काज़मी, पर्यावरणविद् रज़ा काज़मी ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि इतिहास अपने आप को दोहराता है। उन्होंने आइने-ए-अकबरी का उल्लेख करते हुए बताया कि 1564 में इस क्षेत्र से अकबर 75 हाथी पकड़कर ले गया था। उन्होंने बच्चों से प्रकृति से जुड़ने, पक्षियों व जीव-जंतुओं को देखने और प्रकृति के निःशुल्क आनंद को अपनाने का आह्वान किया।

अंग्रेज़ी के साथ हिंदी को भी समान महत्व दें - जेरी पिंटो- साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता जेरी पिंटो ने किताबों की दुनिया विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि अंग्रेज़ी के साथ-साथ हिंदी पढ़ना भी उतना ही आवश्यक है, जिससे हमारी जड़ें मजबूत होती हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, मानसिक व शारीरिक संतुलन पर विचार साझा किए तथा सकारात्मक कहानियों के माध्यम से बच्चों को प्रेरित किया।

सीतामऊ बना 'जश्न-ए-सीतामऊ' -मुजतबा खान ने दादी-नानी के किस्से सुनाते हुए कहा कि यह आयोजन सीतामऊ को जश्न-ए-सीतामऊ में बदल देता है। उन्होंने समाज को सुंदर बनाने में भाषा के साथ-साथ तहज़ीब के महत्व पर प्रकाश डाला।

सुवासरा से फिल्मफेयर तक ⁼ प्रशांत पांडे- फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता प्रशांत पांडे ने अपने जीवन सफर पर आधारित सुवासरा से फिल्मफेयर तक विषय पर प्रेरक अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले स्कूली बच्चों को सम्मानित किया गया।

साहित्य वही है जिसमें सबका हित समाहित हो ⁼ हरदीप डंग - सुवासरा विधायक हरदीप सिंह डंग ने कहा कि प्रशासन के प्रयासों से यह दूसरा साहित्य महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने नटनागर शोध संस्थान को एशिया की दूसरी सबसे बड़ी लाइब्रेरी बताते हुए इसे ज्ञान का अनुपम केंद्र कहा। पूर्व मंत्री श्री नरेंद्र नाहटा ने कहा कि इस महोत्सव ने सीतामऊ को एक नई पहचान दी है और यह आयोजन स्व. रघुवीर जी को सच्ची श्रद्धांजलि है।

महोत्सव की जड़ें मजबूत, अब बनेगा वृहद वृक्ष ⁼ कलेक्टर अदिति गर्ग- कलेक्टर अदिति गर्ग ने कहा कि यह एक छोटी-सी पहल थी, जिसका दूसरा चरण भी सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। उन्होंने कहा– शीशे तराशने का हुनर देखते हैं लोग, हाथों में कितना खून है कोई देखता नहीं। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव से सभी ने बहुत कुछ सीखा है। बाहर से आए विद्वानों ने स्थानीय संस्कृति को जाना और स्थानीय लोगों को राष्ट्रीय स्तर के विचारों से जुड़ने का अवसर मिला। अब इस महोत्सव की जड़ें मजबूत हो चुकी हैं, जो आगे चलकर एक वृहद वृक्ष का रूप लेंगी। उन्होंने स्कूली बच्चों की सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कलेक्टर अदिति गर्ग, सुवासरा विधायक हरदीप सिंह डंग, पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा, नगर परिषद अध्यक्ष मनोज शुक्ला, जिला योजना समिति सदस्य अनिल पांडे सहित जनप्रतिनिधि, साहित्यप्रेमी, दर्शकगण एवं पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सेन समाज युवक - युवक परिचय सम्मेलन नीमच मे 8 फरवरी को आयोजित होगा

परिचय सम्मेलन को लेकर की व्यापक तैयारी जोरों पर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 8 फरवरी रविवार को नीमच मे सेन समाज युवक - युवती परिचय सम्मेलन की तैयारी को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां जारी है । नीमच जिला सेन समाज के तत्वाधान में नीमच जिला युवा सेन समाज संगठन द्वारा 8 फरवरी रविवार को टाउन हॉल नीमच में प्रातः 10ः00 बजे से सेन युवक - युवती परिचय सम्मेलन प्रारंभ होगा ।आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए जिला सेन समाज अध्यक्ष सुखलाल सेन,जिला युवा अध्यक्ष चमन सेन,परिचय सम्मेलन अध्यक्ष विनोद गहलोत ने बताया कि नीमच में आयोजित होने वाला यह परिचय सम्मेलन न केवल रिश्तो के मेल का अवसर बनेगा बल्कि हमारे समाज के युवक - युवतीयो के लिए परिचय सम्मेलन एक सामाजिक सामूहिक मंच बनेगा ।जो समाज के युवक युवतियों को एक ही स्थान पर परिचय संवाद और विवाह के उद्देश्य से मिलने का अवसर प्रदान करेगा ।आज के समय में परिचय सम्मेलन समाज की अत्यंत आवश्यकता बन चुका है। वर्तमान समय में विवाह योग युवक - युवती के लिए उपयुक्त जीवनसाथी चुनना एक बड़ी चुनौती है जिसे यह सम्मेलन एक सुनियोजित और गरिमा में मंच प्रदान करेगा । युवक युवती परिचय सम्मेलन को लेकर जिला सेन समाज सगठन के पदाधिकारी युवा सेन समाज संगठन के पदाधिकारी एव नीमच,रामपुरा, जावद,जीरन, सिंगोली,तहसील अध्यक्ष युवा अध्यक्ष एवं पदाधिकारी गांव गांव घर घर जाकर विवाह योग्य युवक युवतियों से संपर्क कर पंजीयन कर रहे हैं ।एवं समाजजन परिचय सम्मेलन को लेकर तैयारी व्यापक स्तर पर कर रहे है ।जिससे धन की बचत करते हुए एक ही मंच पर वैवाहिक जानकारी उपलब्ध होगी ।जानकारी देते हो बताया किपरिचय सम्मेलन एक सामूहिक सामाजिक प्रेयसीजिससे समाज के अविवाहित युवक युवतियों की प्रोफाइल फोटो, शिक्षा, व्यवसाय, परिवार की जानकारी आदि एक बुकलेट के माध्यम से प्रकाशित की जाएगी और उन्हें एक दूसरे से मिलने के लिए एक प्रत्यक्ष सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है ।परिचय सम्मेलन अध्यक्ष विनोद गहलोत ने बताया कि युवक युवती परिचय सम्मेलन हेतु ?500पंजीयन शुल्क रखा गया ।सभी विवाह योग्य युवक - युवती के परिजन उनके पंजीयन शीघ्र कराये ।दिनांक 4 फरवरी तक ही पंजीयन मान्य किए जाएंगे । श्री गेहलोत आगे बताया कि परिचय पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है जिसमें सभी समाजजन अपने प्रतिष्ठानों के विज्ञापन लगवा सकते हैं इसके लिए मोबाईल नम्बर 9131706381 पर संपर्क करें ।परिचय सम्मेलन को लेकर आसपास क्षेत्र नीमच मंदसौर रतलाम एवं राजस्थान की सीमावर्ती क्षेत्र में सेन समाज के पदाधिकारी पंजीयन हेतु संपर्क कर रहे हैं उक्त जानकारी जिला सेन समाज मीडिया प्रभारी समरथ सेन पालसोडा ने दि ।

मंदसौर पुलिस की कॉम्बिंग गश्त : 194 हिस्ट्रीशीटर, गुंडा व जिलाबदर बदमाशों की चैकिंग की गई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के नेतृत्व में जिले के समस्त राजपत्रित/ अराजपत्रित अधिकारियों द्वारा कॉम्बिंग गश्त बीती रात्रि हुई, जिसमें कुल 101 निगरानी बदमाशों को चेक किया एवं 93 गुंडा/बदमाशों को चेक करते कुल 194 हिस्ट्रीशीटर/गुंडा बदमाशों/जिलाबदर बदमाशों की चैकिंग की गई। कांबिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस थाना सीतामऊ के द्वारा एनडीपीएस एक्ट में फरार आरोपी अनवर पिता हुसैन मंसूरी उम्र उन 50 साल निवासी नाटाराम को गिरफ्तार किया गया। जिले में अपराधियों के विरूद्ध रात्रि में सर्जिकल स्ट्राईक, कुल 203 वारंटियों को धरदबोचा। कॉम्बिंग गश्त के दौरान अवैध शराब के कुल 26 प्रकरणों में 26 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से कुल 106.84 लीटर कुल कीमती 32 हजार 640 रुपए की अवैध शराब जप्त की गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों समेत समस्त थानों की 46 गश्त पार्टियों में कुल 450 से अधिक पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा गश्त की कार्यवाही को अंजाम दिया गया। मंदसौर पुलिस द्वारा जिले में लगातार अपराधिक तत्वों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही लगातार की जा रही है। मंदसौर पुलिस द्वारा भविष्य में भी आपराधिक तत्वों के विरूद्ध इस प्रकार की कठोरतम कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम हमें भारतीय संस्कृति व इतिहास की जानकारी देते हैं

मेहनत, कर्म, कर्तव्य पथ पर, चलने से ही सफलता प्राप्त होती है- श्री जैन भाजपा मंडल महामंत्री

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय उच्चतर माध्यमिक, माध्यमिक विद्यालय झांतला में छात्र छात्राओं का विदाई समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम, आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में,भाजपा मंडल महामंत्री पारस जैन, सिंगोली ब्लॉक पूर्व अध्यक्ष मनीष जैन, जिला कांग्रेस सचिव एम,डी मंसूरी जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष,व जनपद प्रतिनिधि राजेश शर्मा,वरिष्ठ शिक्षक, जम्बू कुमार जैन,सरपंच प्रतिनिधि, विनोद धाकड़, सेवानिवृत अध्यापक शंभू लाल बराड़ा, मोरवन, प्राचार्य शांतिलाल, धाकड़, भुवानी राम मेघवाल, सुंदरलाल धाकड़, मनोहर वर्मा आसाराम धाकड़, सुंदरलाल धाकड़, श्रीमती वर्षा पीपलीवाल श्रीमती प्रिया भारद्वाज आदि की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां शारदा के चित्र पर,दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण की गई इस अवसर पर सभी अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में मुख्य रूप से यह कहा गया कि जीवन में सफलता पाने के लिए हमें लक्ष्य का निर्धारण कर लग्न व मेहनत करना पड़ेगी तभी हम सफलता को प्राप्त कर पाएंगे जीवन में कभी भी भाग्य नसीब व किस्मत के भरोसे ना रहे यदि सफलता प्राप्त करनी है। तो हमें कर्म कर्तव्य व मेहनत करना पड़ेगी जीवन में अपने माता-पिता व गुरुजनों को हमेशा याद कर उनका आदर सम्मान करते रहे उनके आशीर्वाद से ही आप बुलंदियों व ऊंचाइयों को छू सकते हैं। जीवन में अच्छी संगत रखें क्योंकि रुपए किलो वाले घी में यदि केरोसिन की एक बूंद गिर जाती है। तो व खराब हो जाता है। और मिठाई में रुपए किलो की शक्कर डाल दी जाती है। तो उस शक्कर का भाव भी रुपए किलो हो जाता है।

यह आपकी विदाई नहीं है यह आपके भविष्य निर्माण के लिए एक चरण व सीडी है। जिससे हर व्यक्ति को गुजरना पड़ता है। माता-पिता जीवन देते हैं। लेकिन जीवन का असली निर्माण शिक्षक करता है। इनके द्वारा दिए गए ज्ञान व शिक्षा से ही हम अच्छी तालीम हासिल कर अच्छे मुकाम पर पहुंचते हैं। व अच्छे इंसान बनते हैं। जीवन में दृढ़ इच्छा शक्ति लग्न व लक्ष्य से ही अच्छे मुकाम को प्राप्त कर सकते हैं। इस कार्यक्रम हायर सेकेंडरी कदवासा प्रचार नेमीचंद धाकड़ वरिष्ठ शिक्षक शोभा लाल धाकड़ शिक्षिका परवीन बानो, श्री लाल धाकड़, अतुल पालीवाल, राधा धाकड़, अलका धाकड़,सृष्टि श्रीमाली डिंपल बिश्नोई, दिनेश शर्मा, अतिथि शिक्षक श्री लाल धाकड़ कीर्ति लश्कार अमित शर्मा, अनिल बैरागी विनोद सहरिया,कार्यक्रम का सफल संचालन अध्यापक पंकज शर्मा द्वारा किया गया। आदि कहीं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

डोडाचूरा तस्कर को 5 वर्ष के सश्रम कारावास एवं जुर्माने से दण्डित किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस मंदसौर द्वारा आरोपी मांगीलाल पिता बदिया भूरिया निवासी झाराडाबर तहसील मेघनगर जिला झाबुआ को अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी करने के अपराध में दोषी पाते हुए 05 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 50 हजार रूपये जुर्माने से दण्डित किया। अभियोजन मीडिया प्रभारी/सहायक जिला अभियोजन अधिकारी बलराम सौलंकी द्वारा घटना के संबंध में बताया कि दिनांक 17.07.2007 को थाना भावगढ़ में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक सी. एस. उपाध्याय को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि झाबुआ जिले का मांगीलाल भील जो कि चौकड़ी रंग का शर्ट तथा गहरे स्लेटी रंग का पेंट पहने है, एक काले बैग व सफेद खाद के कट्टे में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा लेकर ग्राम बनी तरफ से आ रहे कच्चे रास्ते से पैदल-पैदल आकर धंधौड़ा फंटे से बस से या अन्य साधन से राजस्थान के किसी तस्कर को देने जायेगा। उक्त सूचना विश्वसनीय होने से मय फोर्स मुखबिर द्वारा बताये स्थान धंधौड़ा फंटे के पास पहुंचकर नाकाबंदी की गई, तभी संदेही को रोका और नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम मांगीलाल पिता बदिया भूरिया निवासी झाराडाबर तहसील मेघनगर जिला झाबुआ का होना बताया। उसके पास रखे खाद के कट्टे को खोलकर चैक करते उसमें भरे पदार्थ की तलाशी ली, जिस पर अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा पाया गया। जिसका वजन करने पर कुल 31 किलो डोडाचूरा प्राप्त हुआ। अनुसंधान उपरान्त चालान माननीय विशेष न्यायालय में पेश किया गया था। न्यायालय द्वारा अभिलेख पर आई दस्ताबेजी एवं मौखिक साक्ष्य के आधार पर आरोपी को दंडित किया गया। शासन की ओर से प्रकरण का सफल संचालन बी.एस. ठाकुर, उप निदेशक अभियोजन, विशेष लोक अभियोजक द्वारा किया गया।

दिवंगत शिक्षक के परिवार को शिक्षक साथियों ने किया 38 लाख का सहयोग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष गोविन्दराम गेहलोत माध्यमिक शिक्षक शा. हाईस्कूल आकोदडा मन्दसौर ने बताया कि दतिया जिले के शिक्षक स्व. राकेश अहिरवार की असमय मृत्यु उपरांत उनके पुत्र-पत्नी को संघ के रजिस्टर्ड शिक्षक-शिक्षिकाओं ने 38 लाख रुपये की राशि 15 दिन में ऑनलाइन के माध्यम से उनके खातों में जमा की गई। पीयूएमएस मध्यप्रदेश स्तर पर नवनिर्मित शिक्षक संघ का उद्देश्य असमय दिवंगत होने वाले शिक्षक-शिक्षिका साथी को प्रदेश के पंजीकृत सभी शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन सीधे नॉमिनी के खाते में संगठन के नियम अनुसार सहयोग प्रदान किया गया विनोद कुमार राठौर, संभागीय संगठन मंत्री बालचन्द राठौर, संभागीय सचिव फूलचंद गुर्जर, जिला प्रवक्ता लक्ष्मीनारायण पाटीदार, जिला महासचिव दिनेश कुमार राठौर, जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा रेणुका आचार्य, जिला प्रभारी लक्ष्मी पाटीदार, आईटी सेल प्रभारी राधेश्याम रांघोठा उपाध्यक्ष रामप्रसाद कुमावत, अखिलेश चन्द्रावत, हरीश खिचावत, सुरेन्द्र कुमार पाटीदार, लखन पुरोहित, ब्लॉक अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ठाकुर, अरुण पाटीदार, पंकज मण्डलोई, राजाराम जोशी, मुकेश कुमार राठौर व जिले एवं ब्लॉक के सभी पदाधिकारियों का सराहनीय सहयोग रहा। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी आनन्द आंजना ने दी।

कैश वैन गार्ड की गोली लगने से मौत, पीएचसी पर डॉक्टर न मिलने से भड़का आक्रोश

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतनगढ़ सेंट्रल बैंक की कैश डिलीवरी वैन में तैनात सुरक्षा गार्ड को उसकी ही 12 बोर बंदूक से गोली लगने से गंभीर हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि लोडेड गन का बटन अचानक दब जाने से गोली उसके कूल्हे में जा लगी।

श्री सांवरिया सेठ दरबार तक पैदल यात्रा 4 फरवरी को, पंजीयन आवश्यक नहीं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री सांवरिया सेठ मंडफिया (चित्तौड़गढ़) तक की पैदल यात्रा आगामी 04 फरवरी 2026 बुधवार को सुबह 08ः30 बजे प्रारंभ होगी। नीमच से लगभग 90 किलोमीटर दूर पैदल चलकर मंडफिया धाम पर आस्था का सैलाब पहुंचेगा। विगत वर्ष अनुसार इस वर्ष भी सांवरिया भक्त मंडल द्वारा जोर-शोर से पैदल यात्रा निकाली जाएगी। इसकी तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी है। इस वर्ष सांवरिया सेठ की यह पैदल यात्रा इतिहास रचने जा रही है।

श्री सांवरिया भक्त मंडल के अरुल अरोरा गंगानगर ने बताया कि इस पैदल यात्रा को दिव्य और भव्य रूप देने के प्रयास किए गए है। चिकित्सा सुविधाओं के लिए मेडिकल टीम साथ चलेगी। पूरी यात्रा के दौरान भजन कीर्तन गायन सहित अन्य धार्मिक आयोजनों को लेकर बेहतरीन भजन गायकों को बुलाया गया है। जगह-जगह विभिन्न संगठन और समाजसेवियों द्वारा यात्रा का स्वागत अभिनंदन किया जाएगा ।

03 फरवरी को होगी भव्य भजन संध्या- यात्रा से एक दिन पूर्व 03 फरवरी मंगलवार को भव्य भजन संध्या का आयोजन रखा गया है जिसमें प्रख्यात भजन गायक छोटू सिंह रावणा अपनी प्रस्तुति देंगे। यह भजन संध्या नीमच में लायंस पार्क चौराहा के यहां शाम 07ः30 से आयोजित की जाएगी।

निम्बाहेडा में होगा रात्रि विश्राम- 04 फरवरी 2026 बुधवार को पदयात्रा नीमच से शुरू होगी। राजस्थान के निम्बाहेडा शहर की कृषि उपज मंडी परिसर में पैदल यात्रा का पड़ाव होगा। निम्बाहेडा में रात्रि विश्राम के दौरान आकर्षक भजन संध्या का आयोजन होगा। अगले दिन 05 फरवरी 2026 गुरुवार को अलसुबह पैदल यात्रा पुनः शुरू होगी जो दोपहर तक मंडफिया धाम पहुंचेगी। मंडफिया में भक्तों के भोजन प्रसाद के लिए विशाल भंडारा रखा गया है।

टीआई बीएल भाभर लाइन हाज़िर,तो वही जितेंद्र वर्मा बने सिंगोली थाना प्रभारी तो वही अब जावद थाना प्रभारी बने विकास पटेल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सिंगोली थाने में पदस्थ थाना प्रभारी टीआई भूरालाल भाभर (बी.एल. भाभर) को एसपी अंकित जयसवाल ने हटा दिया है।

सूत्रों के मुताबिक संभवतः कुछ गडबड़ी और लेनदेन की शिकायत मिलने के बाद एसपी ने एक्शन लिया है और लाइन अटैच कर दिया। सिंगोली थाने की कमान जिले के जावद थाने में पदस्थ थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा को सौंपी गई है। जितेंद्र वर्मा ने आज शनिवार को सिंगोली थाने का पदभार ग्रहण किया। वहीं जावद थाने की कमान विकास पटेल को सौंपी गई है जो पिछले कुछ समय से लाईन अटैच थे।

सिंगोली में करोड़ों की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की साजिश नाकाम

तथ्य छिपाकर ली गई निर्माण अनुमति और नामांतरण निरस्त

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की संपत्ति पर नजर गड़ाए बैठे भू-माफियाओं और सिस्टम में बैठे उनके मददगारों को नीमच कलेक्टर ने कड़ा सबक सिखाया है। सिंगोली नगर परिषद के अंतर्गत आने वाली करोड़ों रुपये की बेशकीमती सरकारी भूमि को निजी मिल्कियत बनाने का खेल अब पूरी तरह उजागर हो चुका है। कलेक्टर न्यायालय ने तथ्यों को छिपाकर हासिल की गई निर्माण अनुमति और नामांतरण को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है।

मामला सिंगोली के नए बस स्टैंड स्थित सर्वे नंबर 439/1 की भूमि का है। जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि जिस भूमि पर केशरबाई पति महावीर कुमार ने वारिसान हक जताकर नामांतरण कराया, उसका असली सच फाइलों में दफन कर दिया गया था। दरअसल, महावीर कुमार जैन इस जमीन को लेकर सिविल न्यायालय से लेकर हाईकोर्ट इंदौर तक अपनी दावेदारी हार चुके थे। इसके बावजूद, इन न्यायिक आदेशों को नगर परिषद के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया और प्रशासनिक तंत्र की आंखों में धूल झोंककर नामांतरण का प्रस्ताव क्रमांक 68 दिनांक 29.09.2023 को पारित करवा लिया गया।

धारा 323 का प्रहार और तत्कालीन सीएमओ पर संकट- कलेक्टर ने मध्य प्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 323 का उपयोग करते हुए इस पूरी प्रक्रिया को विधि विरुद्ध करार दिया है और 29 सितंबर 2023 को किया नामांतरण व 17 जनवरी 2024 को जारी की गई निर्माण अनुमति को निरस्त कर दिया है। इधर आदेश जारी होने के बाद मामले में तत्कालीन सीएमओ द्वारा बिना दस्तावेजों की जांच किए इतनी बड़ी अनुमति देना अब जांच के घेरे में है। सूत्र बताते हैं कि यदि भोपाल (नगरीय प्रशासन विभाग) से इस फैसले की पुष्टि होती है, तो तत्कालीन सीएमओ का निलंबन और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई होना निश्चित है।

फाइलों के खिलाड़ियों में हड़कंप- विधिक सलाहकार के स्पष्ट अभिमत के बाद अब यह साफ हो गया है कि यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि सरकारी हितों के साथ खिलवाड़ था। कलेक्टर के इस कड़े रुख ने स्पष्ट कर दिया है कि गुमराह कर या तथ्य छुपाकर किए गए किसी भी अवैधानिक कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इनका कहना- कलेक्टर न्यायालय के फैसले की जानकारी मिली है। आदेश की प्रति मिलते ही उसका अध्ययन कर नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-खेमचंद मुसले, सीएमओ,
नगर परिषद, सिंगोली

पार्षद योगेश प्रजापति ने बेनकाब किया 'स्पीड ब्रेकर घोटाला'

भ्रष्टाचार छुपाने की साजिश का पर्दाफाश, जनता के पैसे की अनियमितता हुई उजागर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सड़कों पर जनता की गाढ़ी कमाई के दुरुपयोग के खिलाफ पार्षद योगेश प्रजापति ने मोर्चा खोल दिया है। प्रजापति ने नगर पालिका के उस काले खेल को उजागर किया, जिसमें घटिया निर्माण के सबूतों को मिटाने के लिए डामर की चादर बिछाई जा रही थी।

भ्रष्टाचार की परतों पर डामर- पार्षद योगेश प्रजापति ने मौके पर पहुंचकर तथ्यों के साथ यह दिखाया कि किस तरह सड़कों पर भ्रष्टाचार को दफनाया जा रहा है। पार्षद ने बताया कि लाखों रुपये की लागत से लगाए गए प्लास्टिक स्पीड ब्रेकर्स कुछ ही समय में टूटकर बिखर गए। प्रजापति ने आरोप लगाया कि पुराने टूटे ब्रेकर्स की जांच करने के बजाय उनके ऊपर आनन-फानन में डामर बिछा दिया गया। यह केवल डामरीकरण नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के निशानों को मिटाने की सोची-समझी साजिश है।

मिलीभगत का खेल- बिना किसी जवाबदेही के दोबारा उसी स्थान पर लीपापोती करना दर्शाता है कि नगर पालिका और ठेकेदारों के बीच सांठगांठ गहरी है। योगेश प्रजापति ने मौके पर आक्रोश जताते हुए कहा यह सड़कों का सुधार नहीं, बल्कि जनता के पैसे पर फेरा गया पानी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा के नाम पर स्वीकृत बजट को डामर के नीचे दबाकर भ्रष्टाचार छुपाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रजापति ने जनता के सामने यह सच रखा कि नियम-कायदों को ताक पर रखकर सड़कों पर केवल कागजी और दिखावटी काम किया जा रहा है। उनके इस खुलासे के बाद नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। पार्षद योगेश प्रजापति ने साफ कर दिया है कि नीमच की जनता के पैसे का इस तरह बंदरबांट और भ्रष्टाचार की लीपापोती अब और नहीं चलेगी।

जिला कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक 1 फरवरी को नीमच में

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस कमेटी नीमच की समन्वय समिति की एक आवश्यक बैठक 1 फरवरी को नीमच में आयोजित की गई है। प्रातः 10ः00 बजे से शुरू होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं मध्य प्रदेश सह-प्रभारी संजय दत्त विशेष रूप से उपस्थित होकर संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने बताया कि यह बैठक प्रदेश कांग्रेस द्वारा निर्धारित निश्चित एजेंडे पर आधारित होगी, जिसमें आगामी कार्यक्रमों और महत्वपूर्ण स्थानीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। जिला समन्वय समिति चूंकि संगठन की सर्वोच्च इकाई है, इसलिए इसमें प्रदेश कांग्रेस द्वारा जारी सूची के अनुसार ही पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। बैठक के दौरान संगठन को लेकर नीतिगत निर्णय लिए जाएंगे और भविष्य की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस उच्च स्तरीय बैठक में जिले के पूर्व विधायक, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष, प्रदेश स्तर के पदाधिकारी, पीसीसी सदस्य, जिले के सभी मोर्चा संगठनों के अध्यक्ष, समस्त ब्लॉक अध्यक्ष एवं निर्वाचन प्रभारी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। तरुण बाहेती ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय सचिव संजय दत्त का मार्गदर्शन जिले में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगा।

सम्पादकीय

शिक्षित युवा वर्ग के लिए बेरोजगारी समस्या नहीं मूल आवश्यकता है

संभवत अगली जनगणना के बाद भारत सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश होगा इसके अलावा सबसे ज्यादा युवा जनसंख्या वाला भी देश होगाद्य निश्चित तौर पर यह हमारे पर निर्भर है यह हमारी युवा जनसंख्या का उपयोग हम किस विकास की गति के साथ साथ तालमेल बिठाकर भारत राष्ट्र का गौरव बढ़ाते हैंद्य भारत का अधिकांश युवा रोजगार का तलबगार हो गया है,उसे सही मार्गदर्शन और नियोजन की योजना की जरूरत भी है।भारत की युवा और दीवा शक्ति के माध्यम से साइंस, टेक्नोलॉजी,मेडिकल, सेना, कंप्यूटर साइंस और स्वयं उद्यम के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारत को अग्रणी देश बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए द्य अब इस विशाल जनसंख्या का सीमित संसाधन पर कितना दबाव होगा, आप ये कल्पना कर सकते हैं। बहुत अधिक जनसंख्या देश में अनेक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक समस्याओं को जन्म भी देती है। वर्तमान में भारत 142 करोड़ जनसंख्या (अनुमानित) के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है पहले नंबर पर चाइना 145(अनुमानित)करोड़ की आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट संघ द्वारा 1989 से 11 जुलाई को हर वर्ष जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता है पर जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियोजन पर भारत जैसे देश में कोई भी योजना नहीं बनती है। यही जनसंख्या बढ़ चुकी है और भारत में युवा जनसंख्या 60त्न से ज्यादा है तो इसका सकारात्मक उपयोग ही किया जाना युक्ति युक्त होगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से भारत की जनसंख्या बाजार की ताकत है पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या विकास के लिए बड़ी बाधक भी है। अधिक जनसंख्या के दबाव में सीमित संसाधन छिन्न-भिन्न हो जाते हैं आम जनता को उनकी मूल जरूरतों की आवश्यक वस्तुएं नहीं मिल पाती और यदि मिलती भी है तो बहुत ऊंची दरों में या बहुत महंगाई के बाद।ऐसे में देश में अनेक समस्याएं पैदा होती है, और सबसे ज्यादा जनसंख्या के दबाव से विकास के लिए संकट खड़ा हो जाता है। विकास धीरे-धीरे मध्यम का अवरुद्ध हो जाता है। देश का आर्थिक नियोजन चरमराने लगता है। वर्ष 1951 से 81 के दशक को भारत की जनसंख्या की विस्फोटक अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु दर के तीव्र स्खलन और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ है। वर्ष 1921 तक की अवधि में भारत की जनसंख्या की वृद्धि स्थिर अवस्था में रही क्योंकि इस अवधि में जनसंख्या वृद्धि की दर काफी निम्न थी। 1981 से लगातार अभी तक जनसंख्या की दर बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट संघ द्वारा बढ़ती जनसंख्या के मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस स्लोगन %परिवार नियोजन मानव का अधिकार रखा गया है, ताकि बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न समस्याओं के प्रति जागरूक होकर लोगों द्वारा परिवार नियोजन पर उत्साहजनक जोर दिया जाए। यह स्लोगन यह संकेत करता है कि सुरक्षित एवं शैक्षिक परिवार नियोजन एक जिम्मेदार नागरिक का अधिकार है और यह सभी लोगों को सशक्त बनाएगा और देश में विकास की गति को तेज करने में सहायक भी होगा। भारत की जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बढ़ती जन्म दर और कम मृत्यु दर भी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश मैं बेरोजगारी गरीबी पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं चुनौती बनकर सामने आई जो समाज व्यक्ति और राष्ट सभी के विकास को अवरुद्ध करती है। हमारे पास उपलब्ध संसाधन इतनी बड़ी आबादी के लिए कतई पर्याप्त नहीं है। विकास और देश की समृद्धि के लिए जनसंख्या नियंत्रण एक आवश्यक अंग हो सकता है। कई यूरोपीय देशों ने अपनी बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों में उचित तालमेल हेतु परिवार नियंत्रण प्रणाली को का निर्णय लिया किंतु एक समय बाद वहां कार्यशील जनसंख्या की अपेक्षा वृद्धों की संख्या में वृद्धि हुई जिससे मानव संसाधन की समस्याएं उनके सामने आने लगी हैं। चीन में पहले जनसंख्या नियंत्रण किया गया था। सरकार ने वैधानिक रूप से एक या दो बच्चे पैदा करने की शर्तें लागू की थी, पर वहां बुजुर्गों, वृद्धों की संख्या में भारी वृद्धि होने के पश्चात चीन की सरकार ने ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपनी जनता से अपील की है। जापान एक छोटा सा देश होने के बावजूद अपने सीमित संसाधनों के चलते अपने नवाचार तथा तकनीकी शक्ति के बल पर विकासशील देशों के समकक्ष खड़ा है। भारत जैसे विशाल देश में जहां बहुत बड़ी जनसंख्या भी है और विकास के लिए आवश्यक संसाधन भी हैं, विकास करने के लिए केवल विशाल जनसंख्या के साथ सामंजस्य बिठाने की आवश्यकता होगी। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के साथ-साथ उसके अनुपात में संसाधनों का संतुलन बना कर विकास की नई दिशा दी जा सकती है। संसाधनों की उचित दोहन हेतु सही और सटीक नीति तथा उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा नवाचार एवं उचित तकनीक प्रौद्योगिकी को भी अमल में लाना होगा। भारत विश्व का प्रथम देश है जिसने 1952 में परिवार नियोजन कार्यक्रम राष्टीय स्तर पर शुरू किया इसका परिणाम भी अच्छा हुआ था कि पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या की वृद्धि में संतोषजनक गिरावट आई है।

मेडिटेशन (ध्यान), मन - शरीर - बुद्धि को समझने की अंतर्दृष्टि प्रदान करता है

आज के दौर में ध्यान योग यानि मेडिटेशन की सर्वाधिक आवश्यकता है। विश्व के तनाव हम सब देख ही रहे हैं। एक देश दूसरे देश पर लगातार हावी होने का प्रयास कर रहे हैं। कोई झुकना ही नहीं चाहता क्योंकि आत्मसम्मान से कहीं अधिक, झुकने के लिए जिस शांतिभाव की आवश्यकता है, उस भाव की कमी है। हम जन मानस विश्व के किसी भी कोने में चल रहे अशांति से स्वयं को बचा नहीं पाते हैं। अत: जरुरी है कि हमारी आत्मा जागृत हो और हम स्वयं को सुरक्षित रखने का दायित्व स्वयं उठाये।

आत्म-जागरूकता से मानव अपने अनुभव की सीमाओं से मन के परिवर्तनकारी मार्ग की खोज करने में सक्षम होता है। यह जीवन को समझने की चुनौती को सहजता से समझ पाता है। मेडिटेशन मन-शरीर-बुद्धि प्रणाली के साथ साथ भीतर की संभावनाओं को समझने के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। सुनने में यह बात भले ही आसान ना लगे पर इसके लिए प्रयास ही नहीं करना उचित नहीं होगा। हम सभी एक बार प्रयास करके कुछ दिन नियमित ध्यान धारणा से हम इस सुक्ष्म ज्ञान को आत्मसात कर सकते हैं। सहज योग साधक को वो साक्षी भाव प्रदान करता है जिसकी वर्तमान समय में सर्वाधिक आवश्यकता है। समझने का प्रयास करते हैं कि यह साक्षी भाव आखिर है क्या? अपने को स्वयं पर केन्द्रित कर उन घटनाओं को जो हमें विचलित करती है, स्वयं पर हावी ना होने देना साक्षी भाव है। प्रार्थना के महत्व को हम सभी जानते हैं। सहज ध्यान योग में भी प्रार्थना का बहुत बड़ा स्थान है। सहज योग तकनीक से हमारे अंदर स्थित कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है, हाथों से और सिर के तालु भाग से चैतन्य प्रवाहित होने लगता है। यह महज एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक जागृत अवस्था है, इसकी अनुभूति साधक को परमेश्वरी शक्ति से एकाकारिता का बोध कराती है। साधना की इस अवस्था में जब हम परमेश्वरी शक्ति से एकाकार रहते हैं, हमारी प्रार्थना का फलीभूत होना एक अटूट सत्य सा प्रभावी होता है। हम अपनी सुरक्षा के साथ साथ विश्व की सुरक्षा के लिए भी प्रार्थना कर सकते हैं। आज विश्व को ऐसे प्रार्थना की अत्यंत आवश्यकता है। हमें स्वयं को पहचानना है ताकि हम ईश्वर प्रदत्त इस जीवन की गरिमा को समझ सकें। स्वयं को ईश्वर का प्रतिनिधि बनाकर इस विश्व के प्रति जिम्मेदारी को निभा सकें।

सहज साधक गुरु पद प्राप्त करता है और दूसरों को भी संतुलन दे पाता है, वो जलवायु, प्रकृति, वातावरण,समाज तथा मनुष्य को संतुलित करता है। किसी भी प्रकार का प्रलोभन सहज योगी को विचलित नहीं कर सकता है और यह गुण उसमें स्वयं प्रस्थापित होता है। तपस्विता हम सब के अंदर है, यह अंतर्जात है। बस इसे उजागर होना है।

आर्थिक सर्वेक्षण से बजट तक : भविष्य के भारत की तलाश

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद के पटल पर प्रस्तुत किया जाने वाला बजट केवल आय-व्यय का वार्षिक लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि वह देश की आर्थिक दिशा, सामाजिक प्राथमिकताओं और भविष्य की संभावनाओं का दर्पण होता है। आज जब भारत एक ओर तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में विश्व मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है और दूसरी ओर वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, जलवायु संकट और तकनीकी परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब यह बजट और भी अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है। व्यक्तिगत नागरिक से लेकर व्यापारी, उद्योगपति, किसान, श्रमिक, युवा और मध्यम वर्ग-सभी की निगाहें इस बजट पर टिकी हैं, क्योंकि इससे न केवल वर्तमान वर्ष की आर्थिक तस्वीर, बल्कि भविष्य के भारत की झलक भी मिलती है।

बजट से पूर्व प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण ने सरकार की सोच और नीति-दृष्टि के कई संकेत दिए हैं। इसमें विकास को केवल आंकड़ों की वृद्धि तक सीमित न रखकर अवसरों के विस्तार, समावेशी विकास और दीर्घकालिक स्थिरता पर जोर दिया गया है। यह स्वीकार किया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां अवश्य हैं, किंतु उनसे अधिक संभावनाएं हैं। यही दृष्टिकोण इस बजट का मूल स्वर होना चाहिए-चुनौतियों को अवसरों में बदलने का साहसिक प्रयास।

सबसे पहली और महत्वपूर्ण अपेक्षा निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने को लेकर है। किसी भी अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती तभी आती है जब उसके सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सम्मानजनक जीवन जी सके और उपभोग में भागीदार बने। यदि निम्न आय वर्ग की आय बढ़ती है, उसे सस्ती और सुलभ सुविधाएं मिलती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव मांग पर पड़ता है और मांग बढ़ने से उत्पादन, निवेश और रोजगार-तीनों को गति मिलती है। इसलिए इस बजट में प्रत्यक्ष नकद अंतरण, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च के साथ-साथ रोजगार सृजन के ठोस उपाय अपेक्षित हैं। मनरेगा जैसे कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण, शहरी गरीबों के लिए भी समान प्रकृति की योजनाएं और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

शहरी विकास इस बजट का एक और प्रमुख केंद्र होना चाहिए। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है और शहरों पर जनसंख्या, आवास, परिवहन, जल, स्वच्छता और पर्यावरण का दबाव लगातार बढ़ रहा है। केवल बड़े महानगरों पर निर्भरता अब व्यावहारिक नहीं रही। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा द्वारा सुझाया गया शहरी विकेंद्रीकरण का विचार आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है।

छोटे और मध्यम शहरों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाना, उद्योगों और सेवाओं को वहां प्रोत्साहित करना, न केवल महानगरों पर बोझ कम करेगा बल्कि क्षेत्रीय असंतुलन को भी घटाएगा। बजट में यदि टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए विशेष शहरी अवसंरचना पैकेज, परिवहन नेटवर्क, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास योजनाएं लाई जाती हैं, तो यह दूरगामी परिवर्तन का आधार बन सकता है।

वैश्विक स्तर पर टैरिफ, व्यापार अवरोध और संरक्षणवाद की प्रवृत्तियां भारत के लिए चुनौती भी हैं और अवसर भी। अजय बंगा का यह कथन कि टैरिफ पर अधिक चिंता करने के बजाय व्यापारिक अवसरों पर ध्यान दिया जाना चाहिए, भारत की वर्तमान स्थिति के लिए उपयुक्त दृष्टि प्रदान करता है। भारत के पास विशाल घरेलू बाजार, युवा जनसंख्या, डिजिटल क्षमताएं और उद्यमशीलता की प्रबल ऊर्जा है। यदि यह बजट निर्यात-उन्मुख उद्योगों, स्टार्ट-अप्स, मैन्युफैक्चरिंग और वैल्यू-एडेड सेक्टर को प्रोत्साहन देता है, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में और मजबूत स्थान बना सकता है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' को केवल नारों से आगे ले जाकर व्यावहारिक नीति समर्थन की आवश्यकता है-सरल कर संरचना, आसान ऋण, अनुसंधान एवं नवाचार में निवेश और व्यापार करने में सुगमता के माध्यम से।

इस संदर्भ में मध्यम वर्ग की भूमिका को नजरअंदाज करना आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती होगा। मध्यम वर्ग किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है-वह सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है और सबसे बड़ा करदाता भी। विडंबना यह है कि बजट चर्चाओं में अक्सर यही वर्ग अपेक्षाकृत उपेक्षित रह जाता है। बढ़ती महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य का खर्च, आवास ऋण और करों का बोझ मध्यम वर्ग की बचत और उपभोग दोनों को प्रभावित करता है। यदि इस बजट में आयकर स्लैब में तर्कसंगत सुधार, शिक्षा-स्वास्थ्य पर कर राहत और आवास को प्रोत्साहन जैसे कदम उठाए जाते हैं, तो इससे न केवल मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी बल्कि मांग-आधारित विकास को भी बल मिलेगा।

उद्योगों और व्यापार जगत के लिए बजट से अपेक्षा है कि वह स्थिर और पूर्वानुमेय नीति वातावरण प्रदान करे। निवेशक अनिश्चितता से डरते हैं। कर नीति में बार-बार बदलाव, अनुपालन की जटिलता और नियामक अस्पष्टता निवेश को बाधित करती है। इस बजट में यदि दीर्घकालिक कर-नीति का स्पष्ट संकेत, एमएसएमई सेक्टर के लिए सस्ता ऋण, तकनीकी उन्नयन के लिए प्रोत्साहन और हरित उद्योगों के लिए विशेष पैकेज दिए जाते हैं, तो यह उद्योगों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र, जो रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है, उसे आर्थिक पुनरुत्थान का केंद्र बनाया जाना चाहिए।

भविष्य के भारत की कल्पना केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं हो सकती। इसमें पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक न्याय और मानवीय विकास समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में हरित ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन और टिकाऊ कृषि को बजट में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यह न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि नए उद्योगों और रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। शिक्षा और कौशल विकास में निवेश भविष्य की कार्यशक्ति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा, जबकि स्वास्थ्य पर खर्च एक स्वस्थ और उत्पादक समाज की नींव रखेगा।

अंततः यह बजट एक संतुलन की परीक्षा है-राजकोषीय अनुशासन और विकासात्मक खर्च के बीच, अल्पकालिक राहत और दीर्घकालिक सुधारों के बीच, तथा विभिन्न वर्गों की अपेक्षाओं के बीच।

यदि यह बजट निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने, मध्यम वर्ग को राहत देने, शहरी विकेंद्रीकरण को गति देने और वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदलने की स्पष्ट दिशा देता है, तो यह केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम का घोषणापत्र बन सकता है। देश को आज ऐसे ही बजट की आवश्यकता है-जो आशा जगाए, विश्वास पैदा करे और भविष्य के प्रति एक सकारात्मक, साहसिक दृष्टि प्रस्तुत करे।

-ललित गर्ग

शिक्षा खौफनाक नहीं, बल्कि स्नेह एवं हौसलों का माध्यम बने

जीवन को दिशा देने वाली शिक्षा यदि भय, हिंसा और दमन का पर्याय बन जाए तो वह सभ्यता की सबसे बड़ी विडंबना कही जाएगी। हाल के वर्षों में पढ़ाई के नाम पर बच्चों पर बढ़ते दबाव, घर और स्कूल में हिंसक व्यवहार तथा प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ ने शिक्षा की आत्मा पर गहरा आघात किया है। फरीदाबाद की उस हृदयविदारक घटना ने, जिसमें महज गिनती न सीख पाने के कारण एक मासूम बच्ची को पिता की क्रूरता ने मौत के मुंह में धकेल दिया, पूरे समाज को कठघरे में खड़ा कर दिया है। इस तरह खौफनाक होती पढ़ाई अब केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि जन-जन से जुड़ी विडम्बना बनती जा रही है। इस तथाकथित शिक्षा की विकृत मानसिकता का भयानक परिणाम है कि आज भी यह माना जाता है कि डर और मार से बच्चों को बेहतर बनाया जा सकता है। ज्ञान की इस सदी में यह सोचना ही शर्मनाक है कि पढ़ाई के नाम पर किसी बच्चे से उसका जीवन, उसका बचपन, उसका आत्मविश्वास छीना जा सकता है। आज शिक्षा धीरे-धीरे मानवीय संवेदनाओं से कटती जा रही है। परीक्षा परिणाम, रैंक, अंक तालिका और प्रतिस्पर्धा के आंकड़े शिक्षा का चेहरा बनते जा रहे हैं। अभिभावक अपने अधूरे सपनों का बोझ बच्चों के नाजुक कंधों पर लाद देते हैं और स्कूल उन्हें प्रदर्शन की मशीन मानकर आंकने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चा पढ़ाई को उत्सव या खोज की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक खौफनाक दायित्व के रूप में देखने लगता है। घर, जो सबसे सुरक्षित और स्नेहपूर्ण स्थान होना चाहिए, वहीं डर का अड्डा बन जाता है। स्कूल, जो जिज्ञासा और रचनात्मकता को पंख देने का माध्यम होना चाहिए, वह दंड और अपमान का स्थल बन जाता है। ऐसे में मासूम मन कहां जाए, किससे अपने भय और असहायता को साझा करे। मनोविज्ञान और शिक्षा शास्त्र के तमाम अध्ययन यह स्पष्ट कर चुके हैं कि हिंसा, डांट, डर और अपमान बच्चों की सीखने की क्षमता को नष्ट करते हैं। डर के माहौल में बच्चा न तो प्रश्न पूछ पाता है, न प्रयोग कर पाता है और न ही अपनी गलतियों से सीख पाता है। उसकी स्मरण शक्ति, एकाग्रता और निर्णय क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। धीरे-धीरे वह हीनभावना का शिकार हो जाता है और स्वयं को अयोग्य समझने लगता है। यह कुंठा केवल बचपन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे जीवन उसके व्यक्तित्व पर छाया की तरह मंडराती रहती है। ऐसे बच्चे बड़े होकर भी जोखिम लेने से डरते हैं, अपनी बात रखने में संकोच करते हैं और जीवन की प्रतिस्पर्धा में आत्मविश्वास के अभाव में पिछड़ जाते हैं। यह शिक्षा नहीं, बल्कि एक तरह का मानसिक शोषण है। हमारी सबसे बड़ी भूल यह है कि हम हर बच्चे को एक ही मापदंड से आंकना चाहते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट है। किसी की रुचि गणित में है तो किसी की कला में, कोई खेल में खिलता है तो कोई संगीत या साहित्य में।

-ललित गर्ग

मासिक धर्म- अब स्वास्थ्य नहीं, संवैधानिक सम्मान का प्रश्न

भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के इतिहास में एक निर्णायक और साहसिक मोड़ तब आया, जब सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को यह स्पष्ट किया कि मासिक धर्म स्वास्थ्य केवल एक जैविक प्रक्रिया या साधारण स्वास्थ्य सुविधा नहीं, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के मौलिक अधिकार का अभिन्न हिस्सा है। यह फैसला सदियों से मासिक धर्म के नाम पर समाज में फैलाई गई चुप्पी, शर्म और उपेक्षा की जड़ पर सीधा प्रहार करता है। अब यह स्वीकार किया गया है कि मासिक धर्म से जुड़ी असुविधा, अपमान और संसाधनों का अभाव किसी भी लड़की की शिक्षा, गरिमा और भविष्य को सीमित नहीं कर सकता। यह निर्णय न्यायपालिका की मानवीय संवेदनशीलता और सामाजिक यथार्थ की गहरी समझ का सशक्त प्रमाण है।

यह फैसला केवल स्वास्थ्य से जुड़ा आदेश नहीं, बल्कि समानता और गरिमा की संवैधानिक घोषणा है। न्यायालय ने मासिक धर्म को स्वास्थ्य की सीमित परिभाषा से बाहर निकालते हुए उसे समानता, गोपनीयता, गरिमा और शिक्षा के अधिकार से जोड़ा। न्यायाधीशों ने स्पष्ट कहा कि यदि किसी लड़की को सिर्फ इसलिए स्कूल छोड़ना पड़े क्योंकि उसके पास सुरक्षित पैड या स्वच्छ शौचालय नहीं है, तो यह संविधान की आत्मा पर सीधा आघात है। एक पीरियड वाक्य का अंत होना चाहिए, किसी लड़की की शिक्षा का नहीं जैसी टिप्पणी ने इस निर्णय को गहरी मानवीय संवेदना दी और उन लाखों छात्राओं की पीड़ा को आवाज दी, जो हर महीने खामोशी से शिक्षा से दूर हो जाती थीं।

न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए।

कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स की सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वेंडिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की झिझक और असहजता पूरी तरह दूर की जा सके।

इसके साथ ही स्कूलों में मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नर स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त यूनिफॉर्म, स्पेयर इनरवियर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। दिव्यांग छात्राओं के लिए व्हीलचेयर-अनुकूल शौचालय और सहायक उपकरण जैसी विशेष सुविधाएँ अनिवार्य की गईं।

निजी स्कूलों द्वारा निर्देशों की अवहेलना पर मान्यता रद्द करने का प्रावधान रखकर जवाबदेही को मजबूत किया गया, ताकि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सके।

यह निर्णय केवल सुविधाएँ उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की जड़ जमाई सोच को बदलने की सशक्त पहल है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि मासिक धर्म स्वास्थ्य किसी एक वर्ग या केवल लड़कियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्कूलों में लड़कों और लड़कियों दोनों को वैज्ञानिक और तथ्यात्मक जानकारी देने पर जोर देकर शर्म, डर और मिथकों की दीवार तोड़ने का संदेश दिया गया। जब मासिक धर्म को सामान्य और प्राकृतिक प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया जाएगा, तभी वास्तविक समानता और सम्मान संभव हो पाएगा। यह फैसला चुप्पी और संकोच की संस्कृति को खुले संवाद और समझ की संस्कृति में बदलने का आह्वान करता है।

इस फैसले के केंद्र में शिक्षा के अधिकार को रखा गया है। न्यायालय ने शिक्षा को मल्टीप्लायर राइट मानते हुए कहा कि यह अन्य सभी अधिकारों को सशक्त बनाती है। यदि मासिक धर्म के कारण किसी लड़की की पढ़ाई बाधित होती है, तो वह केवल स्कूल से दूर नहीं होती, बल्कि उसके भविष्य, आत्मनिर्भरता और सम्मान के अवसर भी छिन जाते हैं। इसी कारण आरटीई अधिनियम के तहत इन मानकों का पालन अनिवार्य किया गया और पाठ्यक्रम में मासिक धर्म जागरूकता को शामिल करने की सिफारिश की गई। यह कदम दीर्घकालिक और स्थायी सामाजिक परिवर्तन की मजबूत नींव रखेगा।

पर्यावरण संरक्षण को भी इस निर्णय में समान महत्व दिया गया है। प्लास्टिक आधारित पैड्स से होने वाले प्रदूषण और स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए बायोडिग्रेडेबल विकल्प को अनिवार्य करना दूरदर्शी कदम है। इससे स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ प्रकृति के संरक्षण का संतुलन स्थापित होता है।

ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, जहाँ स्वच्छता सुविधाएँ सबसे कमजोर हैं, यह फैसला विशेष रूप से परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। पहले से चल रही योजनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर एकसमान और मजबूत ढांचा मिलने से क्षेत्रीय असमानताएँ कम होंगी और लाभ हर जरूरतमंद तक पहुँचेगा।

यह फैसला केवल आज की जरूरतों तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को आकार देने वाला है। बेहतर मासिक स्वास्थ्य से संक्रमण घटेंगे, आत्मविश्वास मजबूत होगा और लड़कियाँ बिना बाधा शिक्षा से जुड़ी रहेंगी। शिक्षित और स्वस्थ महिलाएँ परिवार, समाज और अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनती हैं। सरकारों से समयबद्ध अनुपालन रिपोर्ट मांगकर न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह निर्णय कागजों में सिमटने वाला नहीं, बल्कि जमीन पर उतरने वाला बदलाव है। यह फैसला सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और संवैधानिक मूल्यों की सशक्त विजय है।

यह निर्णय हमें स्पष्ट रूप से याद दिलाता है कि संविधान केवल कानूनी प्रावधानों का संग्रह नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने का अधिकार देने वाला जीवंत दस्तावेज है।

मासिक धर्म स्वास्थ्य को मौलिक अधिकार घोषित करना उस पुरानी सोच को सीधी और निर्णायक चुनौती है, जिसने इसे लंबे समय तक शर्म, चुप्पी और भेदभाव से जोड़कर रखा। अब यह अधिकार हर भारतीय बेटी का है, चाहे उसकी सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। समय आ गया है कि समाज, सरकार और संस्थाएँ मिलकर इस परिवर्तन को धरातल पर उतारें। यह फैसला केवल एक न्यायिक घोषणा नहीं, बल्कि गरिमा, समानता और साहस से भरे नए युग की मजबूत शुरुआत है।

-प्रो. आरके जैन

सम्मान, सम्मेलन और कविता का खोता जन-सरोकार

कविता समाज की सामूहिक चेतना की आवाज़ होती है। वह समय का दस्तावेज़ भी है और समय से टकराने का साहस भी। लेकिन आज जब हम अधिकांश कवि सम्मेलनों, साहित्यिक आयोजनों और तथाकथित सांस्कृतिक मंचों को देखते हैं, तो एक असहज प्रश्न सामने खड़ा हो जाता है–क्या कविता अपने मूल उद्देश्य से भटक चुकी है?

आज का दृश्य लगभग एक जैसा है। मंच पर कवि हैं, सामने बैठे श्रोता भी अधिकांशतः कवि ही हैं। कवि एक-दूसरे को बुलाते हैं, कवि ही एक-दूसरे की किताबें ख़रीदते हैं और सम्मान भी आपस में बाँट लिए जाते हैं। आयोजक वही, अतिथि वही, निर्णायक वही और प्रशंसक भी वही। यह साहित्यिक लोकतंत्र नहीं, बल्कि एक सीमित और आत्मसंतुष्ट वृत्त बन चुका है, जिसमें आम समाज की उपस्थिति लगभग नगण्य है।

यह सवाल उठाना आवश्यक है कि कविता आखिर किसके लिए है? क्या वह केवल कवियों के लिए है, या समाज के लिए? यदि कविता का पाठक वही व्यक्ति है जो स्वयं कविता लिख रहा है, तो यह स्थिति आत्मसंवाद की है–संवाद नहीं। साहित्य का इतिहास बताता है कि जब-जब रचनात्मक अभिव्यक्ति ने अपने सामाजिक सरोकार खोए हैं, तब-तब वह धीरे-धीरे अप्रासंगिक होती चली गई है।

कविता का जन्म किसी वातानुकूलित सभागार में नहीं हुआ था। वह खेतों की मिट्टी, मज़दूर के पसीने, स्त्री की चुप्पी, दलित के अपमान, आदिवासी के विस्थापन और आम आदमी की रोज़मर्रा की पीड़ा से उपजी थी। कबीर, निराला, नागार्जुन, त्रिलोचन, पाश या मुक्तिबोध–इनकी कविता इसलिए जीवित है क्योंकि वह सत्ता से असहज प्रश्न पूछती है और समाज के हाशिये पर खड़े व्यक्ति की आवाज़ बनती है। लेकिन आज की कविता का बड़ा हिस्सा सत्ता के निकट, संस्थानों के सुरक्षित घेरे में और आपसी प्रशस्ति में उलझा हुआ दिखाई देता है।

बड़े-बड़े साहित्यिक संस्थानों, अकादमियों और विश्वविद्यालयों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भरी पड़ी हैं। मुस्कुराते चेहरे, हाथों में शॉल, स्मृति-चिह्न और प्रशस्ति-पत्र। सवाल यह नहीं है कि सम्मान गलत है; सवाल यह है कि सम्मान किसे और क्यों दिया जा रहा है। क्या ये सम्मान उस रचना के लिए हैं जिसने समाज में कोई हलचल पैदा की? या फिर ये सम्मान नेटवर्किंग, पहुँच और आपसी समीकरणों का परिणाम हैं?

आज कविता भी एक तरह की 'ब्रांडिंग' का हिस्सा बनती जा रही है। कवि की पहचान उसकी कविता से कम और उसके मंचों, आयोजनों और तस्वीरों से ज़्यादा होने लगी है। यह स्थिति रचनात्मकता के लिए घातक है। जब कवि अपनी कविता से ज़्यादा अपने 'प्रेज़ेंस' पर ध्यान देने लगता है, तब कविता धीरे-धीरे आत्मप्रचार का माध्यम बन जाती है।

एक और गंभीर प्रश्न पाठक का है। आम पाठक कविता से दूर क्यों हो रहा है? इसका उत्तर केवल पाठक की अरुचि में नहीं, बल्कि कविता की बदलती प्रकृति में भी छिपा है। जब कविता आम जीवन की भाषा, पीड़ा और सवालों से कट जाती है, तब वह केवल एक बौद्धिक अभ्यास बनकर रह जाती है। परिणामस्वरूप कविता मंचों तक सिमट जाती है और समाज से उसका संवाद टूटने लगता है।

कवि का दायित्व केवल सौंदर्य रचना नहीं, बल्कि सत्य के पक्ष में खड़ा होना भी है। कविता का काम सत्ता को सहज बनाना नहीं, बल्कि उसे असहज करना है। लेकिन आज कई कवि सत्ता-समीकरणों से टकराने के बजाय उनके अनुकूल रचना करना अधिक सुरक्षित समझते हैं। यह सुरक्षा कविता की आत्मा को धीरे-धीरे खोखला कर देती है।

सम्मेलन संस्कृति पर भी गंभीर आत्ममंथन की आवश्यकता है। क्या हमें इतने अधिक कवि सम्मेलन चाहिए, या हमें कविता को समाज के बीच ले जाने के नए रास्ते खोजने चाहिए? क्या कविता केवल मंच पर पढ़े जाने की वस्तु है, या वह स्कूलों, कॉलेजों, मज़दूर बस्तियों, गाँवों और आंदोलनों तक पहुँचनी चाहिए? यदि कविता केवल चुनिंदा लोगों के बीच सीमित रह जाएगी, तो उसका सामाजिक प्रभाव शून्य हो जाएगा।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि कई बार 'सरोकार' भी एक फैशन बन जाता है। मंचों पर गरीबी, स्त्री और हाशिये की बात की जाती है, लेकिन वह बात अक्सर प्रतीकात्मक रह जाती है। वास्तविक जीवन के संघर्षों से उसका सीधा संवाद नहीं होता। कविता तब तक जीवित नहीं हो सकती, जब तक वह जोखिम उठाने को तैयार न हो–सामाजिक भी और वैचारिक भी।

कविता का संकट केवल कवियों का संकट नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक चेतना का संकट है। जब साहित्य आत्मालोचना छोड़ देता है, तब वह सजावट बन जाता है। और जब सजावट ही उद्देश्य बन जाए, तब सवाल, संघर्ष और परिवर्तन की संभावना समाप्त हो जाती है।

आज ज़रूरत है कि कवि अपने भीतर झाँकें। यह पूछें कि वे क्यों लिख रहे हैं–सम्मान के लिए, मंच के लिए, या समाज के लिए? यह आत्ममंथन असुविधाजनक हो सकता है, लेकिन आवश्यक है। क्योंकि कविता का मूल्य तालियों, प्रमाण-पत्रों या तस्वीरों से नहीं आँका जाता। उसका मूल्य इस बात से तय होता है कि वह किसके पक्ष में खड़ी है और किससे सवाल कर रही है। अंततः, कविता का भविष्य इसी पर निर्भर करेगा कि वह आत्ममुग्ध मंचों से बाहर निकलकर फिर से जीवन की धूल में उतरने का साहस करती है या नहीं। यदि कविता समाज की धड़कन से कट गई, तो वह केवल संग्रहालय की वस्तु बनकर रह जाएगी–सुंदर, पर निष्प्राण। कविता को जीवित रखने के लिए कवि को जीवित समाज से जुड़ना होगा। यही उसका धर्म है, यही उसकी सार्थकता।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर संभागीय आयुक्त ने ली बैठक

परीक्षाओं को गोपनीय बनाए रखने सोशल मीडिया पर नियंत्रण रखने के दिए निर्देश

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर लगाए अतिरिक्त पुलिस बल कक्षा 10 वीं व 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर संभागीय आयुक्त ने जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में परीक्षाओं को पूर्णतः पारदर्शिता के साथ कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही हर व्यवस्था के संबंध में संभागीय आयुक्त ने वन टू वन अधिकारियों से चर्चा की । इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर नियंत्रण रखने एवं संवेदनशील एवं अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल लगाने के निर्देष दिए हैं।

संवेदनशील केंद्रों की सूची तैयार- संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने निर्देश दिए हैं कि बोर्ड परीक्षा में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। अधिकारियों ने बताया कि जितने भी संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्र हैं उन सभी की सूची तैयार की जाए। साथ ही इसके साथ ही परीक्षा के दौरान औचक निरीक्षण करने वाले दल का गठन हो चुका है, साथ ही यह भी बताया गया कि सभी केंद्राध्यक्षों सहायक केंद्राध्यक्षों एवं कलेक्टर प्रतिनिधियों, निरीक्षण दल, प्रेक्षकों के नाम की सूची मण्डल बेवसाइट पर अपलोड कर दी गई है। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री को अधिकारियों ने बताया कि बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर शिक्षा विभाग के जिला प्रशासन की बैठक में बताया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र के लिए केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष व पर्यवेक्षकों के चयन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। साथ ही केंद्रवार कलेक्टर प्रतिनिधि के चयन की प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने निर्देश दिए कि सभी केंद्राध्यक्षों सहायक केंद्राध्यक्षों एवं कलेक्टर प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण समय पर पूर्ण किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए।

सुरक्षा के कडे इंतजाम करने के दिए निर्देश- संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने परीक्षा के दौरान सभी प्रकार के सुरक्षा प्रबंधों को करने के निर्देश दिए हैं । उन्होंने कहा है कि कोरी उत्तर पुस्तिकाएं रखने के लिए स्टॉग रूम पर गार्ड तैनात रहें। साथ ही संवेदनशील एवं अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला समन्वयक संस्था से आने वाले प्रश्नपत्रों को थाने तक पहुंचाने के रूट चार्ट तैयार किया जाए।

सोशल मीडिया पर अफवाहों को रोकने रहेगा नियंत्रण- संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने निर्देश दिए हैं कि परीक्षा के दौरान गोपनियता भंग करने संबंधी फैलने वाली अफवाहों को नियंत्रण करने के लिए सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहाकि किसी भी प्रकार की अफवाह सोशल मीडिया के माध्यम से नहीं फैलनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश भी दिए हैं।

मयंकराज सिंह भदौरिया को चेंजमेकर्स ऑफ़ मध्य प्रदेश 2.0 का सम्मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चेंजमेकर्स ऑफ़ मध्य प्रदेश 2.0 कार्यक्रम में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अमलतास एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया को सम्मानित किया गया। यह सम्मान अमलतास समूह द्वारा चिकित्सा शिक्षा,स्वास्थ्य सेवाओं और निरंतर सकारात्मक प्रयासों की पहचान है। मयंकराज सिंह भदौरिया द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा सशक्तिकरण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास प्रेरणादायी हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करते हैं। मयंकराज सिंह भदौरिया ने इसे टीमवर्क और समाज के सहयोग का परिणाम बताते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें और अधिक जिम्मेदारी के साथ स्वास्थ्य सेवा.शिक्षा क्षेत्र के साथ समाजसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मयंक वेलफेयर सोसायटी आगे भी जनहित के कार्यों को पूरी निष्ठा से जारी रखेगी।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न, कलेक्टर 8 दिवस बाद पुनः करेंगे उपलब्धियों की समीक्षा

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक गतदिवस कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्टर सभा कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री चौधरी ने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के आंकड़ों में पाए गए अंतर को आपसी समन्वय से शीघ्र समाप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं में एनीमिया के प्रभावी प्रबंधन, टीवी रोगियों की एक्स-रे जांच में वृद्धि, आयुष्मान आरोग्य केंद्रों पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा एनआरसी में बच्चों के शत-प्रतिशत भर्ती किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा विभागीय उपलब्धियों की पुनः समीक्षा 8 दिवस बाद किए जाने की जानकारी दी गई। बैठक में टीवी रोगियों की एक्स-रे जांच, एनआरसी में भर्ती बच्चों की स्थिति, गर्भवती महिलाओं की चार एएनसी जांच, एनीमिया प्रबंधन, आयुष्मान आरोग्य केंद्रों पर दवाओं की उपलब्धता, मातृ एवं शिशु मृत्यु, एचडब्ल्यूसी, आयुष्मान कार्ड, एनसीडी एवं टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री चौधरी ने एफसीएम इंजेक्शन की उपलब्धि कम होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मध्यम एवं गंभीर एनीमिया के प्रभावी प्रबंधन के निर्देश दिए। एएनसी पंजीयन में कम प्रगति वाले क्षेत्र बदरवास के बीसीएम एवं सुपरवाइजर को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य केंद्रों पर दवाओं की उपलब्धता का औसत निकालकर दो दिवस में शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में खनियाधाना विकासखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश जिला अधिकारियों को दिए गए। साथ ही गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित हितग्राहियों को पोषण आहार समय पर वितरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

देवास रेलवे स्टेशन से लंबी दूरी के यात्रियों को नही मिल रही मुख्य ट्रेने, आसपास के शहरों में जाकर करना पड़ रही है यात्रा

समस्या के निराकरण के लिए डीआरएम रेलवे पश्चिम क्षेत्र रतलाम मंडल के नाम दिया ज्ञापन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन देवास से लंबी दूरी की मुख्य ट्रेनें बाईपास होकर जा रही है। जिससे कि देवास औद्योगिक नगरी सहित जिले भर के हजारों यात्रियों की फजीहत हो रही है। लंबी दूरी की रेल यात्रियों को मजबूरन आसपास के शहरों में जाकर ट्रेन में बैठना पड़ रहा है। समस्या के निराकरण के लिए नगर जनहित सुरक्षा समिति द्वारा डीआरएल रेल्वे पश्चिम क्षेत्र रतलाम मंडल के नाम स्टेशन स्टेशन प्रबंधक आर एस यादव को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया कि जिले सहित आसपास के हजारों यात्रियों को वर्ष भर अन्य शहरों जैसे भोपाल, इटारसी, कानपुर, लखनऊ,नागपुर, छतरपुर, इलाहाबाद, लखनऊ गोरखपुर अयोध्या बनारस आदि स्थानों पर आने जाने के लिए पूरे वर्षभर रेल सेवा की आवा जाही रहती है। देवास शहर औद्योगिक जिला के अंतर्गत आता है, जबकि वंदे भारत एवं इंदौर प्रयागराज जैसी मुख्य रेल सुविधाओं से देवास व आसपास के हजारों यात्री वंचित हो रहे हैं। इनका भी स्टापेज़ सप्ताह में एक-दो दिन देवास में होना चाहिए। जबकि केंद्र सरकार की अमृत भारत योजना के तहत देवास रेलवे स्टेशन पर नवीनीकरण के तहत करोड़ों रुपए खर्च के बाद भी यात्रियों की परेशानी कम नहीं हो रही है। लंबी दूरी की गाडियों का यहां पर ना आना आश्चर्यजनक माना जा रहा है। लंबी दूरियों की गाड़ी इंदौर से फतेहाबाद होकर जा रही है। समिति ने देवास जिले के हजारों यात्रियों की परेशानी के चलते पूर्व में भी पत्र व्यवहार के माध्यम से संबंधित उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। बावजूद उत्तर भारत में जाने वाले यात्रियों की समस्या का निराकारण न होना देवास जैसे ओद्योगिक जिले के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही इन शहरों में जाने के लिए नई गाड़ी चलाई जाना आवश्यक हो गया है। क्योंकि जो इंदौर से पटना एक्सप्रेस है उसमें भी कई यात्रियों को खड़े रहने तक की भी जगह नहीं मिल पाती। जिससे यात्रियों के समय एवं धन की बर्बादी हो रही है। समिति अनिल सिंह बेस, विनोद सिंह गोड, सुनील सिंह ठाकुर, विजय सिंह तंवर, तकिउद्दीन काजी, सुभाष वर्मा सुरेश रायकवार, अनूप दुबे उमेश राय, सतनारायण यादव ओम प्रकाश पटेल आदि ने जनहित में लंबी दुरी की गाडियों की देवास में शीघ्र स्टापेज़ कर व नई गाड़ी शुरू करने की मांग डीआरएम रेलवे पश्चिम क्षेत्र रतलाम मंडल से की है।

प्रत्येक शनिवार अवकाश दिवस मे भी होगी निगम राजस्व वसुली

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम के विभिन्न राजस्व करों की वसुली के लिये वसुलीकर्ताओं के साथ निगम उपयंत्रियों को भी अपने वार्डों मे जलकर वसुली के निर्देश आयुक्त दलीप कुमार ने दिये। अवैध नल कनेक्शनों पर यदि कोई व्यक्ति वैध करने की राशि जमा नही करता है तो नल कनेक्शन विच्छेद करने के साथ जुर्मानें की राशि भी वसुली जावेगी।

शनिवार को भी वार्ड 17, 27 व 6 में जलकर वसुली अभियान चला

निगम टीम ने 10 नल कनेक्शन किये विच्छेद- जलकर वसुली को लेकर वार्ड 17 में उपयंत्री जीवन रावत व टीम द्वारा वार्ड में 120 जलकर बकायादारों से राशि वसुली के लिये सम्पर्क किया। 6 जलकर के बकायादारों के नल कनेक्शन विच्छेद किये। अवैध नल कनेक्शनों को वैध किये जाने की कार्यवाही में 3 जलकर दाताओं से राशि जमा कर नल कनेक्शन वैध किये। इसी क्रम मे वार्ड 27 मे भी उपयंत्री दिनेश चौहान व टीम ने 29 जलकर बकायादारों से राशि जमा करने हेतु सम्पर्क कर 2 दिवस मे राशि जमा करने हेतु कहा। दी गई समयावधी में राशि जमा नही होने पर नल कनेक्शन विच्छेद करने की कार्यवाही की जावेगी। इसी प्रकार वार्ड 6 मे सहायक यंत्री सौरभ त्रिपाठी, उपयंत्री चंदन सोनी एवं टीम के द्वारा बकाया जलकर दाताओं से लगभग 80 हजार की वसुली के साथ 20 नल कनेक्शन विच्छेद करने के साथ ही अवैध से वैध नल कनेक्शन करने की कार्यवाही की गई।

जीडीएक्स ग्रुप नोएडा द्वारा सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर भर्ती कैंप 2 फरवरी से 11 फरवरी तक

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र.डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला शिवपुरी एवं भारत सरकार के पसारा एक्ट अधिनियम 2005 के तहत, जीडीएक्स ग्रुप नोएडा द्वारा 250 सुरक्षा जवान, 50 सुपरवाईज़र भर्ती हेतू भर्ती कैम्प आयोजित किया जा रहा है। यह भर्ती कैम्प 2 फरवरी से 11 फरवरी तक विभिन्न जनपदों में सुबह 11 बजे से सायं 3 बजे तक आयोजित किए जाएगें।

भर्ती अधिकारी राजेन्द्र कुमार सरगरा ने बताया कि 2 फरवरी 2026 को जनपद पंचायत पोहरी, 03 फरवरी को जनपद पंचायत नरवर, 04 फरवरी को आजीविका मिशन ऑफिस टीला रोड करेरा, 05 फरवरी को जनपद पंचायत बीआरसी भवन बदरवास, 06 फरवरी को जनपद पंचायत कोलारस, 09 फरवरी को जनपद पंचायत पिछोर, 10 फरवरी को जनपद पंचायत खनियाधाना, 11 फरवरी को 26 नंबर कोठी आजीविका मिशन ब्लॉक ऑफिस शिवपुरी में भर्ती कैम्प आयोजित किया जाएगा। इच्छुक युवा जिनकी योग्यता 10वीं पास, उम्र 19 से 45 वर्ष, ऊँचाई 168 सेमी, वजन 52 से 96 किलो तथा सुपरवाईज़र हेतु स्नातक + कम्प्यूटर, उम्र 21 से 40 वर्ष, ऊँचाई 170 सेमी. वजन 55 से 96 किलो हो, वे अपनी 10वीं पास अथवा अधिकतम प्रमाणपत्र की छायाप्रति एवं आधार कार्ड की छायाप्रति, दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ स्वयं संबंधित ब्लाक सभागार में उपस्थित होकर ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवार से रजिस्ट्रेशन शुल्क 250 रुपये लिया जाएगा। इस भर्ती शिविर में दूसरे जिले के युवा भी ब्लाक सभागार में स्वयं उपस्थित होकर ऑफलाइन आवेदन कर सकते है, अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी के मो.न.9289153551, 9799414022 पर सम्पर्क कर सकते हैं। चयनित युवाओं को जीडीएक्स ग्रुप के ट्रेनिंग सेंटर एन.आई.एम.टी कैंपस नियर परीचौक कालेज प्रांगण में स्थित सेंटर में 15 दिन के आवासीय प्रशिक्षण के बाद प्रमाण पत्र के साथ मध्यप्रदेश के बड़े-बड़े ओद्योगिक क्षेत्रों में 18000 से 22,000 तक के मासिक सेलरी के साथ 58 वर्ष तक स्थाई नौकरी के साथ ही पीएफ , पेंशन, बीमा, मेडिकल सुविधा, सालाना वेतन में वृद्धि, लोन की सुविधा, प्रमोशन जैसे अनेकानेक सुविधाओ के साथ ड्यूटी दौरान रहने व खाने की सुविधाएं रियायती दरों पर दी जाएगी।

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी में विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस मनाया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महोदय के मार्गदर्शन से अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी में विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में कुष्ठ रोग के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करना तथा इसके समय पर उपचार एवं रोकथाम के बारे में जनजागरूकता बढ़ाना रहा।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि कुष्ठ रोग एक संक्रामक लेकिन पूर्णतः उपचार योग्य रोग है। समय पर इसकी पहचान और उचित इलाज से रोगी सामान्य एवं सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे समाज में जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम के दौरान डॉ शिल्पा बेस एवं डॉ नेहा जैन ने कुष्ठ रोग के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी । इस अवसर पर छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा कुष्ठ उन्मूलन की शपथ ली गई तथा समाज से भेदभाव समाप्त करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षकगण डॉ. मुकेश अग्रवाल, डॉ. शिल्पा बैस एवं डॉ. नेहा जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर अश्विन राजपूत, दीपक बैरागी, हर्षिता यादव, राशि भोसले, ऋषिराज, विजय केवट, गरिमा जोशी, गोविंद पाटीदार, हिमांशु पांचाल एवं हितेश राय सहित अन्य छात्र-छात्राओं द्वारा कुष्ठ जागरूकता विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किए गए। कुष्ठ मुक्त भारत के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

अवैध मदिरा परिवहन और बेचने वालों पर आबकारी विभाग की लगातार कार्यवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में आबकारी व्रत देवास स मैं अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है जिसमें दिनांक 30.01.2026 को आबकारी टीम द्वारा रसूल पुर बाय पास रोड पर अवैध मदिरा परिवहन करते हुए एक स्कूटी रोक कर स्कूटी की विधिवत तलाशी लेने पर एक पेटी में 50 पाव देशी प्लेन मदिरा एवम् एक पेटी में 24 केन बीयर जप्त की गई,, आरोपी को मौके पर गिरफ्तार किया गया,01 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा (34)के तहत पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। जप्त शुदा मदिरा का बाजार मूल्य लगभग 66200/रुपए है। एवम् औद्योगिक क्षेत्र में अलग अलग स्थानों पर कार्यवाही की गई जिसमें 34 केन बीयर 25 पाव देशी प्लेन मदिरा 04 पाव विदेशी मदिरा जप्त की गई, कुल 04 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) के तहत कायम किए गए। आज की कार्यवाही में प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी, दिनेश भार्गव, मुख्य आरक्षक बालमुकुंद गौड़, आरक्षक बाल कृष्ण जायसवाल, निहाल खत्री, दीपक टटवाड़े सैनिक किशोर लाला सम्मिलित रहे, इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

प्रदर्शनी के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के निर्देशानुसार 30 जनबरी 2026 को ''मद्यनिषेध संकल्प दिवस'' का आयोजन किया गया जिसमें कलेक्टर स्वप्निल वानखडे के निर्देशन में विभिन्न प्रकार की जागरूकता संबंधी गतिविधियां, कार्यक्रम विभिन्न विभागों, अशासकीय संस्थाओं, नशा मुक्ति जिला, ब्लॉक स्तरीय मास्ट्रर ट्रेनर, नशा मुक्ति मित्र, आम नागरिकों के सहयोग से आयोजित किए गए। उसी क्रम में मॉ पीताम्बरा पीठ के पास सार्वजनिक स्थल पर नशा मुक्ति प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन फीता काटते हुए श्रीमती श्रुति अग्रवाल प्र. सीईओ जिला पंचायत सह संयुक्त कलेक्टर सह प्र. उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं श्री लोकेन्द्र सिंह सरल संयुक्त कलेक्टर जिला दतिया द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। नशा मुक्ति प्रदर्शिनी में जिले द्वारा सभी के सहयोग से किए जा रहे कार्यो एवं नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में चित्र (प्रदर्शनी) के माध्यम से बताया गया है। प्रदर्शनी का अवलोकन छात्र, छात्राओं, युवाओं, आम नागरिकों, दिव्यांगों, महिला पुरूष आदि द्वारा किया गया है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं तथा समाज के सभी वर्गो में बढती हुई मद्यपान तथा मादक पदार्थो, द्रव्यों के सेवन प्रवृत्ति की रोकथाम के लिये, इनसे होने वाले दुष्परिणामों से युवाओं और समाज को अवगत कराया जाकर, उन्हें नथा छोड्ने के लिये प्रेरित किया जाना है। इस दौरान मादक द्रव्यों तथा मदिरापान त्यागनें हेतु संकल्प दिलाना एवं संकल्प लेने वालों से संकल्प पत्र भरवाने का कार्य भी किया जाकर नशा मुक्ति पंपलेट का वितरण किया गया। श्रीमती श्रुति अग्रवाल मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सह संयुक्त कलेक्टर सह प्रभारी उप संचालक सामाजिक न्याय द्वारा नशा मुक्ति पंपलेट का विमोचन किया गया। शा.उ.मा.वि. पीताम्बरा पीठ के पास दतिया की प्राचार्य आकांक्षा रावत द्वारा स्कूल में अध्यनरत छात्र छात्राओं को रैली निकाल कर प्रदर्शिनी का अवलोकन कराया गया और विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए । कार्यक्रम में संजय रावत खेल एवं युवा कल्याण विभाग, संजय निरंजन, परिवेश शर्मा, कविश मिश्रा, मोहन गर्ग, अमर सिंह, जसवंत वघेल, कपिल शर्मा, तपेश भार्गव, राजेश कतरौलिया , शैलेन्द्र खरे, जय राम पटवा, जिला स्तरीय मास्ट्रर ट्रेनर, सुदीप तिवारी, अध्यक्ष बाल प्रगति शिक्षण संस्थान, सिद्ध गुरू वन विभाग से, स्काउड गाईड कार्यालय के बच्चे एवं स्टाफ, रवि प्रजापित, नशा मुक्ति मित्र आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विनोद मिश्रा प्र. प्रमुख कलाकार सामाजिक न्याय दतिया द्वारा किया गया

कृषक कल्याण वर्ष 2026 जागरूकता हेतु कृषि विभाग की भव्य मोटर साइकिल रैली, 150 वाहनों ने लिया भाग

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाए जाने के निर्णय के अंतर्गत जिले में जागरूकता गतिविधियों का सिलसिला निरंतर जारी है। प्रदेशभर में वर्षभर 38 प्रकार की गतिविधियों के आयोजन की रूपरेखा तय की गई है। इसी क्रम में कृषकों के सम्मान, विभागीय योजनाओं की जानकारी अंतिम किसान तक पहुँचाने तथा जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज शनिवार 31 को विदिशा में कृषि विभाग द्वारा भव्य मोटर साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

रैली को रवीन्द्रनाथ टैगोर भवन से विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, जिला पंचायत के कृषि सभापति श्री धनराज सिंह दांगी (अन्नू), विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी (कक्का) एवं एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली दोपहर 12 बजे प्रारंभ होकर अहमदपुर चौराहा, पीतलमील चौराहा, ओवर ब्रिज, खरी फाटक रोड, कांच मंदिर, तिलक चौक, एम.एल.बी. कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, डंडापुरा, गुलाब वाटिका, न्यू बस स्टैंड, नीमताल होते हुए पुनः ओवर ब्रिज के रास्ते रवीन्द्रनाथ टैगोर भवन पहुंची, जहाँ दोपहर 1:30 बजे इसका समापन हुआ।

रैली में लगभग 150 मोटर साइकिलों पर विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में कृषक एवं व्यापारी शामिल हुए। रैली के अग्रभाग में कृषि रथ चल रहा था तथा डीजे पर देशभक्ति गीतों के साथ कृषि योजनाओं के प्रचार-प्रसार संबंधी नारों की तख्तियां लगाई गई थीं। प्रमुख नारों में संतुलित खाद अपनाएं, मिट्टी की जांच कराएं, पराली नहीं, अब खाद बनेगी–धरती मां की किस्मत जगेगी, बूंद-बूंद से करो सिंचाई, इसमें है किसान की भलाई, लंबी कतारों से खुद को बचाएंगे, ई-टोकन अपनाएंगे जैसे संदेश शामिल थे।

कार्यक्रम में कृषि विभाग एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रभारी उप संचालक कृषि श्री महेन्द्र कुमार ठाकुर, जिला विपणन अधिकारी श्रीमती राखी रघुवंशी, एसआरएलएम परियोजना प्रबंधक श्री संजय चौरसिया, सचिव कृषि उपज मंडी श्रीमती नीलकमल वैद्य, प्रबंधक एमपी एग्रो श्री मनोहन उइके, जिला सलाहकार डॉ. डी.के. तिवारी, सहायक कृषि यंत्री श्री राहुल खातरकर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री विशाल यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

इस रैली के माध्यम से किसानों को शासन की योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों एवं संसाधनों के उपयोग के प्रति जागरूक करने का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया

गुणवत्ता के साथ समय पर पूरी करें जलापूर्ति योजना- कलेक्टर जिला जल एवं स्वच्छता समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला जल एवं स्वच्छता समिति की समीक्षा बैठक कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में विधायक पोहरी कैलाश कुशवाह, जिला पंचायत की अध्यक्ष नेहा यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज, समिति के सदस्य, पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री चौधरी ने बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की कार्य प्रगति की बारी-बारी समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से योजनाओं के क्रियान्वयन व संचालन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक पानी पहुंचे, इस प्रकार तीव्र गति से कार्य करें अधिकारी। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे स्थल जहां पानी की सबसे ज्यादा दिक्कत आती है, उन्हें चिन्हित करें। हैंडपंप की सही समय पर शासन से मांग की जाए, जिससे ग्रामीण अंचलों में पानी की परेशानी न आए। नल जल योजना बिजली के कारण प्रभावित न हो, अधिकारी इस बात का ध्यान रखें। जलापूर्ति योजनाओं की समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करें। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने व जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पेयजल समस्या के निराकरण और जल जीवन मिशन के तहत योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन अंतर्गत कुल स्वीकृत 1262 योजनाओं में से 536 योजनाओं का कार्य भौतिक रूप से पूर्ण कर एकल नलजल योजना में ग्राउंड वाटर दिया जा रहा है जबकि शेष योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है तथा 307 ग्राम में जल निगम के द्वारा वाटर दिए जाने की कार्यवाही की जा रही है।

अपने लक्ष्य के साथ आगे बढ़े हर विषय में करियर उपलब्ध है- हर्षवर्धन शर्मा

सांदीपनि शासकीय विद्यालय में करियर मेले का हुआ समापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार संदीपनी शासकीय नंदराम चोपड़ा उत्कर्ष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदनावर में दिनांक 27 जनवरी से 31 जनवरी तक पांच दिवसीय करियर मिले और करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। जिसका आज समापन उद्योगपति एवं जनप्रतिनिधि राजेश अग्रवाल, हर्षवर्धन शर्मा संपूर्ण टायर एक्सपोर्टर एवं महक अग्रवाल मालवा फुड फ्रोजन प्रोडक्ट कंपनी सीईओ के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

प्रारंभ में अतिथियों ने आगमन के साथ सरस्वती पूजन ,दीप प्रज्ज्वलित कर पांच दिवसीय करियर मेले के समापन में विद्यार्थियों द्वारा सीखे गए कौशल और हुनर से और करियर से संबंधित चार्ट्स और मॉडल बनाए गए थे। जिनको प्रदर्शनी के रूप में रखा गया अतिथियों ने अवलोकन किया सभी अतिथियों का स्वागत संस्था प्राचार्य रियाजुद्दीन शेख ने पुष्पहारों एवं पुष्पगुच्छ से किया। स्वागत उद्बोधन प्राचार्य के द्वारा दिया जाकर करियर मेले की उपयोगिता भी बताई। अतिथियों का परिचय वैभव चौरडिया उच्च माध्यमिक शिक्षक ने दिया। करियर की आवश्यकता और पांच दिवसीय करियर मेले का प्रतिवेदन प्रदीप पांडेय व्याख्याता ने प्रस्तुत किया। पांच दिवसीय करियर मेले में विद्यार्थियों के द्वारा कई महत्वपूर्ण बिंदु सीखे गए उनकी प्रस्तुति छात्र-छात्राओं ने की। सुश्री महक अग्रवाल ने फैशन डिजाइनर एवं मेनेजमेंट के विभिन्न कैरियरों के संबंध मे जानकारी प्रदान की और उन्होंने कहा कि अपना आकलन अंको से नहीं क्षमता से करें।

हर्षवर्धन शर्मा जो की एक सफलतम व्यापारी हैं और 'अपोलो टायर के मध्य प्रदेश में प्रथम पायदान विक्रयकर्ता होकर व्यवसायिक दक्षता के साथ 10 देश की विदेश यात्रा भी कर चुके हैं। व्यापार व्यवसाय के साथ कम्प्यूटर आधारित रोजगार मुलक कोर्स की भी जानकारी दी। शर्मा ने विद्यार्थियों से आव्हान किया कि आप अपने लक्ष्य के साथ आगे बढ़े हर विषय में करियर उपलब्ध है विषयों की तुलना में ना उलझे अपनी रुचि के अनुसार विषय का चयन करें उसी अनुसार व्यावसायिक शिक्षा का कोर्स भी पूर्ण करें। उद्यमी राजेश अग्रवाल ने कहा कि आप अपना लक्ष्य निर्धारित करें और लक्ष्य की पूर्ति के लिए बड़े ख्वाब देखे, उनको साकार करें, आपका लक्ष्य यदि आपके सामने है तो आप भटकेंगे नहीं। एक सफल व्यापारी ,उद्योगपति बनने के हमें अपनी क्षमताओं का भरपूर उपयोग करना चाहिए। संपूर्ण दुनिया में भारतीय विद्यार्थी भारतीय मस्तिष्क को सम्मान की दृष्टि देखा जाता है। ज्ञान के मामले में दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों में उनके सीईओ आज हमारे भारतीय लोग ही हैं। संबोधित करते हुए कहा कि आपके मध्यमवर्गीय माता-पिता गरीबी के साथ अभाव के बीच जीते हुए आपके उज्जवल भविष्य के लिए आपको विद्यालय भेजते हैं। आपसे माता-पिता , नगर देश, समाज अपेक्षा रखता है की आप अच्छी शिक्षा प्राप्त कर उच्च पदों पर पहुंचे और देश की सेवा। करें वर्तमान में सरकार भी विद्यार्थियों को भरपूर सहयोग प्रदान कर रही है आप उनका लाभ भी लेवे। सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आरती उपाध्याय उच्च माध्यमिक शिक्षिका ने, आभार जुगल किशोर प्रजापत उच्च माध्यमिक शिक्षक ने माना समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

वन स्टॉप सेंटर एवं जिला जेल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंडलेश्वर श्री अखिलेश जोशी के मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री प्रीति जैन एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री चंद्रेश मंडलोई द्वारा वन स्टॉप सेंटर खरगोन एवं जिला जेल खरगोन में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन एवं जेल निरीक्षण किया गया। शिविर में सुश्री प्रीति जैन ने कहा कि भारतीय संविधान में प्रदत्त मूल अधिकारों के संरक्षण के लिए महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिशोध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 बनाया गया है। कार्यस्थल में काम करने वाली महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न होता है तो वे आंतरिक परिवाद समिति में शिकायत कर सकती हैं। समिति जांच के बाद कार्यवाही कर सकती है। नालसा की निःशुल्क विधिक सलाह/सहायता योजना के बारे में जानकारी दी गई तथा नालसा की आशा यूनिट योजना के अंतर्गत बाल विवाह मुक्त अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मंडलोई ने महिलाओं के अधिकारों एवं नालसा की हेल्पलाइन नंबर 15100 आदि कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

जेल बंदियों को कानूनी अधिकारों की दी जानकारी - न्यायाधीश सुश्री जैन द्वारा जिला जेल खरगोन में जेल बंदियों के लिए आयोजित विधिक साक्षरता शिविर एवं निरीक्षण के दौरान बंदियों को कानून संबंधी जानकारी देते हुए प्लेबारगेनिंग एवं उनके अधिकारों के बारे में बताया। उन्होंने बंदियों से उनके अधिवक्ता है अथवा नहीं की जानकारी ली तथा जिनके अधिवक्ता नहीं हैं, वे विधिक सहायता से निःशुल्क अधिवक्ता ले सकते हैं। उन्होंने बंदियों की अपीलों के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि बंदी अपनी अपील हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट तक कर सकता है। साथ ही जमानत के लिए भी आवेदन लगा सकता है। वह चाहे तो विधिक सहायता के माध्यम से भी आवेदन एवं अपील कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने बंदियों की समस्याएं सुनी एवं उनकी समस्याओं को नोट किया तथा निवारण के लिए आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने बंदियों को उनके बैरकों में रहने, खाने एवं स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली।

स्वावलंबी भारत की दिशा में दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीजी कॉलेज में खरगोन में आत्मनिर्भर भारत ङ्क सशक्त और स्वावलंबी भारत का पुनर्निर्माण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। यह संगोष्ठी शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं प्रधानमंत्री कॉलेज एक्सीलेंस खरगोन के संयुक्त तत्वावधान में 31 जनवरी और 1 फरवरी को अर्थशास्त्र विभाग एवं वाणिज्य संकाय द्वारा आयोजित की का रही है। संगोष्ठी के प्रथम दिवस विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं ने आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. जी.एस. चौहान द्वारा अतिथियों के परिचय एवं स्वागत भाषण के साथ हुआ। आयोजन सचिव डॉ. सावित्री भागोरे ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। विशेष अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के मध्य क्षेत्र सह संयोजक श्री रामसागर मिश्रा ने न्यास का परिचय देते हुए कहा कि यह संस्था वर्ष 2007 से शिक्षा के स्वरूप को भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुरूप सुदृढ़ बनाने हेतु कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा भारतीय संस्कृति, नवाचार, नई शिक्षा नीति, चरित्र निर्माण एवं समाज के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब शिक्षा आत्मनिर्भर होगी तभी भारत आत्मनिर्भर बनेगा। मुख्य अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सह संयोजक श्री ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि हर व्यक्ति में कोई न कोई कौशल होता है, इसलिए प्रत्येक कार्य सम्माननीय है। उन्होंने हस्तकौशल के महत्व पर बल देते हुए कहा कि हाथ के काम को कभी छोटा नहीं समझना चाहिए। परंपरागत कौशल बिना प्रमाणपत्र के भी अत्यंत मूल्यवान होते हैं। आत्मनिर्भरता की यात्रा के लिए आत्मविश्वास आवश्यक है। उन्होंने 'लोकल फॉर वोकल' को बढ़ावा देने और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शोध कार्य करने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार ने की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो आत्मनिर्भरता उसकी पहली सीढ़ी होगी। भारत का स्वदेशी ज्ञान विश्व में उत्कृष्ट रहा है और इसके प्रचार-प्रसार में हम सभी को अपनी-अपनी भूमिका निभानी होगी।

जांगिड़ ब्राह्मण समाज ने मनाया श्री विश्वकर्मा जन्मोत्सव

बैंड बाजे कस साथ सुसज्जित रथ पर निकले भगवान विश्वकर्मा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जांगिड़ ब्राह्मण समाज ने अपने आराध्य देव भगवन श्री विश्वकर्मा का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया। प्रातः पंडित द्वारा मंत्र उपचार के साथ भगवान विश्वकर्मा जी का अभिषेक कर पूजन किया। सुबह से ही समाज के लोगों का मंदिर पर आना शुरू हो गया था। सभी ने विश्वकर्मा भगवान के दर्शन पूजन किए पंडित द्वारा सभी समाजजनों को कथा का श्रवण करवाया।

कथा का समापन दोपहर में हुआ, तत्पश्चात भगवान विश्वकर्मा जी की आरती कर प्रसादी का वितरण हुआ। दोपहर में बैंड बाजे के साथ भगवान विश्वकर्मा जी की सुसज्जित रथ पर शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा की शुरुआत श्री जांगिड ब्राह्मण विश्वकर्मा मंदिर से हुई। शोभा यात्रा दुर्गा चौक , भेरू उखिलीया चौराहा, सभा मंच, मोदी चौराहा, जवाहर मार्ग होते हुए वापस विश्वकर्मा मंदिर पहुंची यहां पर भगवान की महाआरती की गई। यहीं पर शोभा यात्रा का समापन हुआ। नगर में शोभा यात्रा के दौरान धार्मिक संगठनों ने यात्रा का स्वागत किया। संगम बेड के मास्टर ने धार्मिक भजनों पर एक से एक प्रस्तुति दी। धार्मिक भजनों पर समाजजन थिरक रहे थे। सजे धजे रथ पर भगवान विश्वकर्मा जी शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालुओ को दर्शन दे रहे थे। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में आसपास क्षेत्र के समाज जन शामिल हुए। समाज के अध्यक्ष अखिलेश शर्मा,उपाध्यक्ष निलेश जलानिया, कोषाध्यक्ष नितिन शर्मा सिल्लक, सचिव देवेंद्र लूंजा ने सभी समाजजनों का आभार प्रकट किया।

स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों की समीक्षा बैठक संपन्न

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित सभी संबंधित चिकित्सक मौजूद थे। बैठक में गृह आधारित शिशु एवं प्रसूता की मॉनिटरिंग पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही शिशु और मातृ मृत्यु दर की स्थिति व इसमें कमी लाने के लिए किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में समय-समय पर लगने वाले टीकाकरण की चर्चा की गई। इस दौरान बताया गया कि जबलपुर शहरी क्षेत्र कुंडम और पनागर में मीजल्स रूबेला के प्रकरण बढ़ रहे हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने इसकी रोकथाम व बचाव के लिए आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई, जिसमें मधुमेह, बीपी, आयुष्मान, स्वास्थ्य केन्द्रों में सुरक्षा व सफाई कर्मी आदि से संबंधित विषय शामिल थे। रोगी कल्याण समिति की बैठक कलेक्टर श्री सिंह ने स्वास्थ्य विभाग की बैठक के उपरांत रोगी कल्याण समिति की बैठक भी आयोजित की। जिसमें जुलाई 2025 से दिसम्बर तक के आय-व्यय की जानकारी ली गई। साथ ही इस दौरान किये गये कार्यों के साथ लंबित देयकों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही विभिन्न प्रस्तावित कार्यों व अनुमोदन के संबंध में चर्चा की गई।

चंद्रहास शिंदे ने उठाई ताप्ती मिल कर्मियों की आवाज़, 10 माह से वेतन नहीं मिलने पर पीएम को लिखा पत्र

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुरहानपुर स्थित ताप्ती मिल में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों को बीते करीब दस माह से वेतन नहीं मिलने के कारण गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। वेतन न मिलने से कर्मचारियों का अर्थतंत्र पूरी तरह बिगड़ चुका है, जिससे उनके रोजमर्रा के खर्च, बच्चों की पढ़ाई, इलाज एवं घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति करना मुश्किल हो गया है। कोरोना वायरस संक्रमण फैलने के बाद से ही ताप्ती मिल का उत्पादन बंद है, इसके बावजूद अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिक पूर्व निर्धारित समय के अनुसार नियमित रूप से ड्यूटी कर रहे हैं। लेकिन लंबे समय से वेतन न मिलने के कारण अब उनके सामने जीवन यापन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई के पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रहास शिंदे ने केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह एवं एनटीसी नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन) के सीएमडी महोदय को पत्र लिखकर ताप्ती मिल केकर्मचारियों,अधिकारियों एवं श्रमिकों का दस माह से रुका वेतन शीघ्र जारी करने की मांग की है। चंद्रहास शिंदे ने पत्र के माध्यम से कहा कि यदि जल्द वेतन जारी नहीं किया गया तो कर्मचारियों एवं उनके परिवारों की स्थिति और भी दयनीय हो जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित निर्णय लेने की अपील की है।

पत्रकार जगत के कोहिनूर वर्तमान के श्रवण कुमार पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 से सम्मानित

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जयपुर (राज.) देशभर में सामाजिक सेवा और उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने वाला प्रतिष्ठित आयोजन राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 गणतंत्र दिवस पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में भव्य एवं विराट स्तर पर आयोजित किया गया ।

इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मान समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित उन विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया जिन्होंने शिक्षा, सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य, प्रशासन, कला, संस्कृति, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। जैन युवा पत्रकार गौरव सर्व श्रेष्ठ संवाददाता अवॉर्ड विजेता, विगत 35 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान देने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा को राजस्थान की राजधानी गुलाबी नगरी जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सभागार में यस इंडिया फाउंडेशन के तत्वाधान में देश भर आए विशिष्ट श्रेष्ठियों की उपस्थिति में पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार जी की सेवाओं को देखते हुवे राष्ट्र स्तर के राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। विदित हो इससे पूर्व भी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार को जयपुर में राजस्थान सरकार के मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा के आवास पर 13 जैन संतो ओर सैकड़ों लोगो की उपस्थिति में वर्तमान का श्रवण कुमार ओर श्रीमति सारिका जैन को सतयुग की नारी का सम्मान देकर भाव भीना अभिनंदन किया गया था।। उत्तरप्रदेश के सहारनपुर में परम पूज्य भावलिंगी संत आचार्य 108 श्री विमर्श सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में डॉक्टर रेणु जैन के सफल निर्देशन में संलेखना सेविका मिलन समारोह में पारस जैन पार्श्वमणि को मुख्य अतिथि के पद से विभूषित किया गया । प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी की एक ही सोच नजरें अपनी बदले नज़ारे बदल जाएंगे सबको अपना मानो सब आपके हो जाएंगे। हम ना सोचे हमें क्या मिला है हम यह सोचे किया क्या है अर्पण फूल समता के बाटे सभी को सबका जीवन ही बन जाए मधुबन। आयोजक संस्था ङ्घस्स् ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड के अध्यक्ष श्री कमल चौधरी संयोजक अखिल बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार का उद्देश्य उन कर्मठ नागरिकों को सम्मान देना है, जो अपने कार्यों से समाज और देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हैं। इस स्वर्णिम सु अवसर पर प्रकाश बज, जिनेंद्र पापड़ीवाल, निर्मल जैन, विनोद जैन लांबावास कोटा, श्रीमति अंजली जैन डॉ अखिल बंसल, अजीत जैन बंसल जयेंद्र जैन निप्पू जयपुर विमल कमलेश जैन दरा वाले, विवेक जैन कोटा, राजेंद्र जैन श्रीमाल कोटा, श्रीमति अंजली जैन जयपुर, महावीर जैन पराना निवाई, विष्णु जी जैन निवाई, रविंद्र जैन काला बूंदी, बाबूलाल जैन नैनवा, महावीर सरावगी नैनवा, विमल जोला निवाई, ने पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार को बहुत बहुत शुभकामनाएं समर्पित की। प्रस्तुति विमल कमलेश (दरा वाले) कोटा (राज.)।

जसलीन कीर बनीं जिला संगठन मंत्री, कांग्रेस नेतृत्व ने सौंपी अहम जिम्मेदारी

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस संगठन को मजबूती देते हुए जसलीन कीर को जिला संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल है। जसलीन कीर को इस नई जिम्मेदारी के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही हैं।यह नियुक्ति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश सह-प्रभारी ऊषा नायडू एवं जिला प्रभारी ग्यारसी लाल रावत के निर्देशानुसार तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष रिंकु टांक की अनुशंसा पर की गई है। जसलीन कीर की नियुक्ति में सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष हमीद क़ाज़ी सहित समस्त कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त किया गया है। संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीद जताई कि जसलीन कीर अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा, सक्रियता एवं संगठनात्मक मजबूती के साथ करेंगी।इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने फूल-मालाओं के साथ हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

संकल्प से समाधान अभियान :- जिले में अभी तक 24 हजार 767 आवेदन प्राप्त

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में चलाये जा रहे संकल्प से समाधान अभियान के पहले चरण में नागरिकों से अभी तक केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित 24 हजार 767 आवेदन प्राप्त हुये हैं और इनमें से 17 हजार 887 का निराकरण किया जा चुका है। निराकृत प्रकरणों में स्वीकृत आवेदनों की संख्या 17 हजार 837 एवं अस्वीकृत किये गये आवेदनों की संख्या 50 है, जबकि 6 हजार 880 आवेदन लंबित है। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुरूप केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने प्रदेश भर में स्वामी विवेकानन्द की जयंती 12 जनवरी से संकल्प से समाधान अभियान प्रारंभ किया गया है। चार चरणों के इस अभियान में नागरिकों को 106 विभागों से जुड़ी सेवाओं और योजनाओं का लाभ दिया जायेगा। इसके लिये पंचायत, नगरीय निकाय एवं जिला स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। अभियान के 12 जनवरी से 15 फरवरी तक के पहले चरण में नागरिकों से केंद्र और राज्य शासन की सेवाओं एवं योजनाओं से सबंधित आवेदन प्राप्त करने ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत स्तर पर एवं शहरी क्षेत्र में वार्ड स्तर पर दलों का गठन किया गया है। ये दल घर-घर जाकर या शिविर लगाकर आवेदन एवं शिकायत प्राप्त कर रहे हैं। नागरिकों से प्राप्त प्रत्येक आवेदन एवं शिकायतों को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज किया जा रहा है। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज करने के बाद आवेदनों और शिकायतों को विभागवार संबंधित अधिकारियों को भेजा जा रहा है और निराकरण की स्थिति भी सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज की जा रही है। इसके लिये क्लस्टर स्तर पर नोडल अधिकारियों को नियुक्ति की गई है। संकल्प से समाधान अभियान के प्रथम चरण में अनिराकृत प्रकरणों का निराकरण 16 फरवरी से 16 मार्च तक चलाये जाने वाले दूसरे चरण में क्लस्टर स्तर पर शिविर लगाकर किया जायेगा। क्लस्टर स्तर पर आयोजित शिविरों में आम नागरिक आवेदन दे सकेंगे। अभियान का तीसरा चरण 16 मार्च से 26 तक चलाया जायेगा। तीसरे चरण में क्लस्टर स्तर पर अनिराकृत आवेदनों और शिकायतों तथा नये प्राप्त होने वाले आवेदनों का निराकरण करने खण्ड स्तर पर शिविर लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों में किये गये निराकरणों को ब्लॉक लेवल नोडल अधिकारी द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा। संकल्प से समाधान अभियान का चौथा और आखिरी चरण 26 मार्च से 31 मार्च तक चलेगा। इस चरण में जिला स्तर पर शिविर लगाकर सभी अनिराकृत शेष आवेदनों एवं शिकायतों के साथ नवीन प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जायेगा। जिला स्तरीय शिविर में हितग्राहियों एवं लाभार्थियों को मौके पर ही हितलाभों का वितरण भी किया जायेगा। संकल्प से समाधान अभियान के जिले में 88 शिविर आयोजित किये जायेंगे। इनमें से 80 क्लस्टर स्तर पर, सात शिविर विकासखण्ड स्तर पर और एक शिविर जिला स्तर पर लगाये जाएंगे। अभियान के प्रथम चरण में अभी तक निराकृत किये गये आवेदनों में नगरीय विकास एवं आवास विभाग से संबंधित 4 हजार 627, श्रम से संबंधित 2 हजार 941, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण से संबंधित 2 हजार 950, राजस्व से संबंधित 1 हजार 629, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी से संबंधित 1 हजार 642, समान्य प्रशासन से संबंधित 1 हजार 226, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा से संबंधित 1 हजार 168, महिला एवं बाल विकास से संबंधित 872 तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 568 आवेदन शामिल हैं।

कृषि संगोष्ठी, प्रशिक्षण एवं कृषक सम्मान कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में आज रानी दुर्गावती संग्रहालय की कला वीथिका में कृषि संगोष्ठी प्रशिक्षण एवं कृषक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस.पी. गौतम ने की। विशिष्ट अतिथि जेएनकेव्हीव्ही के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार सिंह थे। किसान सेवा संगठन के सातवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी को पता है कि कृषि हमारे जीवन के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। कुछ प्राकृतिक विकारों को छोड़कर अधिकांश शारीरिक विकार आहार-विहार से होते हैं, अतः स्वस्थ्य शरीर के लिए समुचित और संतुलित आहार-विहार आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रासायनिक खादों के प्रयोग से फसल विषाक्त हो जाता है, जिसका सीधा प्रभाव हमारे शरीर पर होता है। इसलिए स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए कृषि प्रणाली को अपनाना चाहिए। उन्होंने श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के साथ किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर जाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. गौतम ने भी सूक्ष्म जीव विज्ञान, प्राकृतिक खेती, कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन तथा पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में अपने सारगर्भित विचार दिये। भारतीय कृषक समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री के के अग्रवाल ने कार्यक्रम के उद्देश्य व वर्तमान कृषि प्रणाली और चुनौतियों के संबंध में सारगर्भित विचार दिये। इस अवसर पर श्री केएल कोष्ठा द्वारा लिखित प्राकृतिक खेती पुस्तक का विमोचन किया गया तथा कृषि क्षेत्र में उन्नत कार्य करने वाले कृषकों का सम्मान किया गया।

जिला आपदा प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत प्रशासन की त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी कार्यवाही

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज दिनांक 31 जनवरी 2026 को प्रातः लगभग 7:45 बजे मेघनगर रोड से आ रहे एक ट्रक की टक्कर से एलपीजी से भरा एक टैंकर फूलमाल चौराहे पर पलट गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही कलेक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष नेहा मीना के निर्देशन में जिला आपदा प्रबंधन योजना के अंतर्गत तत्काल राहत, सुरक्षा एवं नियंत्रण कार्य प्रारंभ किया गया।

आपदा की संभावित गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए राजस्व विभाग, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, पुलिस, गेल इंडिया लिमिटेड, नगर पालिका की फायर टीम एवं अन्य संबंधित विभागों की टीमें त्वरित रूप से घटनास्थल पर पहुंचीं। कलेक्टर के निर्देशानुसार एहतियातन फूलमाल चौराहे के आसपास 800 मीटर की परिधि को संवेदनशील क्षेत्र घोषित करते हुए क्षेत्र में स्थित सभी चाय-नाश्ते की दुकानों एवं घरों के गैस चूल्हे तथा विद्युत आपूर्ति को तत्काल बंद कराया गया। साथ ही संभावित जनहानि को रोकने हेतु यातायात पूर्णतः नियंत्रित कर रूट डायवर्जन किया गया।

दोपहर लगभग 1:00 बजे इंदौर से एचपीसीएल की विशेषज्ञ तकनीकी टीम के घटनास्थल पर पहुंचने के पश्चात जिला आपदा प्रबंधन टीम के समन्वय से पूर्णतः आवागमन बंद कर क्रेन की सहायता से एलपीजी टैंकर को सुरक्षित रूप से सीधा किया गया। पूरे ऑपरेशन के दौरान गैस रिसाव, आगजनी अथवा विस्फोट की किसी भी आशंका को नियंत्रित रखा गया।

इस अभियान के दौरान अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, गेल इंडिया लिमिटेड के जीएम श्री प्रबुद्ध मजूमदार, एसडीएम श्री भास्कर गाचले, एसडीओपी श्रीमती रूपरेखा यादव, कमांडेंट होमगार्ड एवं एसडीआरएफ श्री शशिधर पिल्लई, तहसीलदार श्री सुनील डावर, टी.ई. श्री भास्करे, ट्रैफिक सूबेदार, होमगार्ड प्लाटून कमांडर श्री संतोष डिंडोर तथा सिविल डिफेंस के श्री दुजेंद्र व्यास सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन द्वारा अपनाई गई मानक आपदा प्रबंधन प्रक्रिया, विभागीय समन्वय एवं सतर्कता के परिणामस्वरूप यह संभावित बड़ी आपदा बिना किसी जनहानि के सफलतापूर्वक टाल दी गई। पुलिस, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, गेल इंडिया लिमिटेड एवं नगर पालिका फायर टीम के समन्वित प्रयासों से संपूर्ण ऑपरेशन शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित रूप से संपन्न हुआ।

प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ किया

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के मंत्री एवं खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने शनिवार को सर्किट हाउस परिसर में संपूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक मांधाता श्री नारायण पटेल, पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेडे, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता एवं पुलिस उप महानिरीक्षक श्री मनोज कुमार राय एवं जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि नीति आयोग भारत सरकार नई दिल?ली के निर्देशानुसार 28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026 तक आकांक्षी जिलों एवं आकांक्षी विकासखंडों में सम?पूर्णता अभियान 2.0 आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य देश के सभी आकांक्षी जिलों में 5, और आकांक्षी विकासखंडों में 6 मुख्य प्रदर्शन संकेतकों के मामले में सैचुरेशन की स्थिति प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन गौड़ा ने बताया कि 3 महीने के इस अभियान के तहत आकांक्षी जिला खंडवा और ब्लॉक छैगाँवमाखन मे महत्वपूर्ण प्रदर्शन संकेतकों को पूर्ण रूप से संतृप्त किया जाएगा।

संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत सभी आकांक्षी विकासखंडों मे आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाले 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अभियान के तहत छेगांवमाखन विकासखंड के आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस अभियान के तहत बालिकाओं के लिए स्कूल में शौचालय तथा पशुओं के टीकाकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

ए.आई. से नौकरियां नहीं जाएंगी, बल्कि हमारी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी- कलेक्टर श्री गुप्ता

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात एआई के उपयोग में लाभ और हानि दोनों के पक्ष हैं, किंतु आने वाला समय केवल एआई का ही है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लोगों में भ्रम है कि एआई से नौकरियां जाएंगी लेकिन ऐसा नहीं है। एआई से नौकरियां नहीं जाएगी, बल्कि लोगों की कार्य क्षमता एवं गुणवत्ता में वृद्धि होगी। यह बात कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने शुक्रवार को एसएन कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उच्च शिक्षा में महत्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में खण्डवा विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सेवादास पटेल, सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थीगण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश दुबे ने किया।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सम्बोधित करते हुए कहा कि एआई ने हमारे जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पहले जो काम 8-10 घंटे में होता था अब वह काम मिनिटों में हो रहा है, वह भी सटीक जानकारी के साथ सही तरीके से। आज छोटे से छोटे शहर का व्यक्ति भी एआई के माध्यम से अमेरिका में बैठे व्यक्ति की बराबरी कर सकता है। अब भी यदि व्यक्ति पीछे रहता है तो उसके लिए परिस्थिति नहीं बल्कि वह स्वयं जिम्मेदार होगा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री गुप्ता ने एआई पर आधारित नवीन कोर्स प्रारंभ करने तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को एआई का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने इस दौरान विद्यार्थियों को एआई के सदुपयोग के लिए सरल और व्यावहारिक उदाहरण के माध्यम से समझाया।

कार्यक्रम में खंडवा विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे ने संबोधित करते हुए कहा कि हम अपनी ऊर्जा का उपयोग अध्ययन एवं शोध में करें तथा अपने शहर, समाज देश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर खंडवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि समय के साथ होने वाले परिवर्तनों को हम समझें, और अवसरों को पहचाने एवं चर्चा कर आगे बढ़े।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा तीन आदतन अपराधियों को छह माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर नेहा मीना ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5 (क, ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले में लोक-शांति एवं सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से तीन आदतन अपराधियों के विरुद्ध छह माह की अवधि के लिए जिला बदर के आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार अनावेदक कैलाश उर्फ भोला पिता भेरूलाल भाटी निवासी सिर्वी मोहल्ला पेटलावद, अनावेदक रामुनाथ पिता नाथुनाथ कालबेलिया निवासी बामनिया तथा अनावेदक लोकेन्द्र उर्फ लोकेन्द्रसिंह उर्फ लच्छु पिता निरंजनसिंह चौहान निवासी दिलीप गेट झाबुआ को आदेश प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर झाबुआ जिले की राजस्व सीमा सहित समीपवर्ती जिले धार, रतलाम, आलीराजपुर एवं बड़वानी की राजस्व सीमाओं से बाहर जाना होगा। यह प्रतिबंध छह माह की अवधि तक प्रभावशील रहेगा। इस अवधि में बिना सक्षम न्यायालय की पूर्व लिखित अनुमति के उक्त क्षेत्रों में प्रवेश निषिद्ध रहेगा।

पुलिस अधीक्षक झाबुआ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार अनावेदक कैलाश उर्फ भोला पिता भेरूलाल भाटी, उम्र 40 वर्ष, थाना पेटलावद का पंजीबद्ध गुंडा है तथा वर्ष 2004 से लगातार मारपीट, रंगदारी, जुआ-सट्टा एवं आबकारी से संबंधित आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त है। इसके विरुद्ध की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियों के बावजूद इसके आचरण में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके कृत्यों से आमजन भयभीत हैं तथा सार्वजनिक शांति एवं सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए इसका जिला बदर किया जाना आवश्यक पाया गया। अनावेदक रामुनाथ पिता नाथुनाथ कालबेलिया निवासी बामनिया वर्ष 2002 से भूमि विवाद, मारपीट, अवैध कब्जा तथा दुर्लभ जाति के सर्पों के अवैध व्यापार जैसे अपराधों में संलिप्त रहा है। हाल ही में इसके विरुद्ध थाना पेटलावद एवं थाना थांदला में गंभीर अपराध पंजीबद्ध हुए हैं। इसके कृत्यों से आमजन भय के वातावरण में जीवन यापन कर रहे हैं। अनावेदक की निरंतर आपराधिक प्रवृत्ति को देखते हुए इसे भी जिला एवं सीमावर्ती जिलों से जिला बदर किया जाना आवश्यक पाया गया।

अनावेदक लोकेन्द्र उर्फ लच्छु पिता निरंजनसिंह चौहान, उम्र 39 वर्ष, निवासी दिलीप गेट झाबुआ, थाना कोतवाली क्षेत्र में वर्ष 2015 से सक्रिय है तथा इसके विरुद्ध लड़ाई-झगड़ा एवं जुआ-सट्टा से संबंधित कुल 10 अपराध पंजीबद्ध हैं। प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के बावजूद इसकी गतिविधियों में निरंतर वृद्धि हुई है। इसके कारण आमजन भयभीत हैं और सामाजिक शांति भंग होने की स्थिति उत्पन्न हो रही है। अतः लोक-शांति बनाए रखने हेतु इसका जिला बदर किया जाना आवश्यक पाया गया।

उपरोक्त तीनों अनावेदकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5 (क, ख) के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही की गई है, ताकि जिले एवं आसपास के क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनी रहे।

मारपीट करने वाले आरोपी को 1 वर्ष की सजा एवं 4 हजार जुर्माने से दण्डित किया

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बड़वानी श्री महेन्द्रसिह रावत के द्वारा अपने फैसले में आरोपी खेमसिंह पिता कुशला निवासी घुघसी थाना पाटी को धारा 325 भादवि में 1 वर्ष का कठोर कारावास एवं 4 हजार रूपये के जुर्माने से दण्डित किया है। अभियोजन की ओर से पैरवी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री राजमलसिंह अनारे वड़वानी द्वारा की गई। अभियोजन मीडिया प्रभारी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी बड़वानी श्रीमति मीना कुशवाह द्वारा बताया कि घटना 28 अगस्त 2021 को फरियादी की पत्नि ने फरियादी को फोन से मैसेज किया की तुम मुझे यहाँ से ले जाओ तो फरियादी 29 अगस्त 2021 को अपनी मोटर साईकल से ग्राम घुघसी गया घुघंसी गांव से एक किलोमीटर आगे पुलिया के पास करीब 8.30 बजे पहुचकर फरियादी मोटर साईकल को साईड से खडाकर मोबाईल चलाने लगा, तभी पीछे से फरियादी के काका ससुर आरोपी खेमसिग पिता कुलशा निवासी घुंघसी हाथ में लट्ठ लेकर आया और फरियादी बोला कि तु यहाँ क्यो आया हैं और फरियादी को माँ बहन की गालिया देने लगा । फरियादी ने गालिया देने से मना किया तो आरोपी खेमसिग ने उसके हाथ में ले रखी लट्ठ से फरियादी को सिर में मार दिया, चोट लगने से उसे सिर से खुन निकलने लगा और वह निचे गिर गया। आरोपी खेमसिग बोला की मेरी भतीजी संगीता को ले जाने की कोशिश की तो जान से खत्म कर दुंगा कि धमकी देते हुए आरोपी खेमसिग वहां से चला गया । फिर फरियादी मोबाईल फोन से राजेश पिता मुकेश को फोन कर सूचना दी, वह और फरियादी की माँ छोटा भाई फरियादी लेने आये और उसे जिला अस्पताल बडवानी ले गये। उक्त घटना की रिपोर्ट फरियादी ने थाना पाटी पर दर्ज करवायी।

कृषक कल्याण वर्ष- 2026 के अंतर्गत मोटर साइकिल रैली का आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाए जाने के निर्णय के परिपालन में एवं शासन के निर्देशानुसार जिला झाबुआ में आज 31 जनवरी 2026 को कृषि उपज मंडी प्रांगण, झाबुआ से मोटर साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

मोटर साइकिल रैली को कलेक्टर नेहा मीना द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर नेहा मीना द्वारा रैली में शामिल कृषक भाइयों का फूलमालाओं से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि कृषक प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। शासन द्वारा किसानों के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। कृषक कल्याण वर्ष-2026 के माध्यम से इन योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाना तथा उन्हें लाभान्वित करना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कृषकों से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया।

रैली का उद्देश्य किसानों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा। रैली के माध्यम से कृषकों को कृषि, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, पशुपालन, सहकारिता, उद्यानिकी, मत्स्य पालन सहित अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई।

कृषि उपज मंडी से प्रारंभ होकर राजगढ़ नाका, कलेक्टर ऑफिस के सामने से, जेल तिराहा, गांधी प्रतिमा, राजवाड़ा, पी.जी कॉलेज एवं भंडारी पेट्रोल पंप से होते हुए वापस कृषि मंडी में रैली का समापन हुआ।

उक्त कार्यक्रम में सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, उप संचालक श्री एन एस रावत, जिले के किसान, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, पशुपालन विभाग, सहकारिता विभाग, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य पालन विभाग, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, कृषि यंत्री, कृषि उपज मंडी सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी अपने अधीनस्थ अमले के साथ उपस्थित रहे।

कुष्ठ निवारण दिवस पर महापौर श्रीमती यादव ने शपथ दिलाई

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि शुक्रवार को कुष्ठ निवारण दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर जिले में नागरिकों को कुष्ठ मुक्ति का संकल्प दिलाने सम्बंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर निगम कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा पर महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव ने माल्यार्पण कर कुष्ठ मुक्ति तथा नशा मुक्ति की शपथ दिलाई और कुष्ठ जागरुकता सम्बंधी अपील का वाचन किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत, लायंस क्लब की श्रीमती उपाध्याय, श्री नारायण बाहेती, श्री सुशील मंडलोई, जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. पर्व तिवारी, डॉ. नितिन कपूर, डॉ सुजित वर्मा सहित विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक सहित अधिकारी कर्मचारी व नर्सिंग विद्यार्थी उपस्थित रहे। डॉ. जुगतावत ने इस अवसर पर बताया कि जिले में आज से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 11 फरवरी से 5 मार्च तक कुष्ठ रोगी खोज अभियान चलाया जायेगा। इस दौरान जनसमुदाय में कुष्ठ रोग के प्रति व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने और नये रोगियों को खोजकर उन्हें निःशुल्क एम.डी.टी. दवाईयां उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जाएगी।

जिला पंचायत के सीईओ डॉ. गौड़ा ने किल्लौद क्षेत्र का दौरा किया

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने शुक्रवार को बलड़ी विकासखण्ड की ग्राम पंचायत गड़बड़ी, नांदियाखेड़ और ग्राम पंचायत बरमलाय में मिशन अमृत संचय अभियान के अंतर्गत बनाये जा रहे रिचार्ज पिट एवं ट्रेंच निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा भी मौजूद थीं। निरीक्षण के दौरान सीईओ डॉ. गौड़ा ने उपस्थित उपयंत्रियों को सलाह दी कि वर्षा जल संरक्षण से संबंधित कार्यों में स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों एवं जल प्रवाह दिशा को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाए, जिससे अधिकतम जल संचयन संभव हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग एवं फील्ड लेवल पर सत्यापन किया जाए। इस दौरान सीईओ डॉ. गौड़ा ने गांव की प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल में बच्चों की उपस्थिति कम पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और संबंधित प्रधान पाठक को इस सम्बंध में कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सीईओ डॉ. गौड़ा ने इस दौरान स्कूल में मध्याह्न भोजन का संचालन नहीं पाए जाने पर संबंधित स्व-सहायता समूह को हटाने हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने मध्याह्न भोजन हेतु समूह द्वारा क्रय किए गए बर्तनों का भी निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान सीईओ डॉ. गौड़ा ने उपस्थित अधिकारियों को शिवरात्रि पर्व पर आयोजित होने वाले मेले के दौरान बीवर गुफा स्थल पर आवश्यक प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के सम्बंध में निर्देश दिये, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने रामा में एकीकृत शाला में आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाओं का भूमिपूजन किया

समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत 59.73 लाख रुपये के कार्य स्वीकृत

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने गुरुवार को रामा विकासखंड स्थित एकीकृत शाला शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामा में समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत भारत शासन द्वारा वार्षिक कार्ययोजना 2025-26 में स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इन कार्यों के अंतर्गत विद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त विज्ञान प्रयोगशालाओं का निर्माण किया जाएगा।

समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विद्यालय में भौतिकी (फिजिक्स) प्रयोगशाला का निर्माण 19.66 लाख रुपये, रसायन शास्त्र (केमिस्ट्री) प्रयोगशाला का निर्माण 20.41 लाख रुपये तथा जीव विज्ञान (बायोलॉजी) प्रयोगशाला का निर्माण 19.66 लाख रुपये की लागत राशि से किया जाएगा। इस प्रकार कुल 59.73 लाख रुपये की लागत से विद्यालय में विज्ञान विषयों की प्रयोगात्मक शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

इस अवसर पर मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि भारत सरकार और राज्य सरकार का निरंतर प्रयास है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो और छात्राओं को आधुनिक संसाधनों के माध्यम से सीखने के बेहतर अवसर प्राप्त हों। विज्ञान की पढ़ाई केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर प्रयोगों के माध्यम से हो, इसी उद्देश्य से इन प्रयोगशालाओं का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में अध्ययनरत बेटियों को भी वही सुविधाएं मिलनी चाहिए जो शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध हैं। इन विज्ञान प्रयोगशालाओं से छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा तथा वे भविष्य में डॉक्टर, इंजीनियर, शोधकर्ता एवं अन्य तकनीकी क्षेत्रों मंल आगे बढ़ सकेंगी।

मंत्री ने यह भी कहा कि प्रयोगशालाओं के निर्माण से विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण और अधिक सुदृढ़ होगा तथा छात्राओं को बोर्ड परीक्षाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा के लिए बेहतर तैयारी करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए तथा प्रयोगशालाओं में आवश्यक उपकरणों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री सुश्री भूरिया ने विद्यालय में छात्राओं को प्रमाण पत्र का वितरण कर उनसे संवाद कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी भी ली। उन्होंने छात्राओं को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकगण, छात्राएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

उचित की मूल्य दुकान पर भी करा सकते हैं हितग्राही अपना ई-केवायसी

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रदेश की लगभग 5.37 करोड़ अबादी को प्रतिमाह निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। इसमें अंत्योदय अन्न योजना में 35 किलोग्राम प्रति परिवार एवं प्राथमिकता श्रेणी के परिवारों को 5 किलोग्राम प्रति सदस्य खाद्यान्न दिया जा रहा है। पात्रता पर्चीधारक प्रत्येक परिवार को राशन दुकान से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

पात्र परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा वन नेशन-वन राशन कार्ड अन्तर्गत प्रदेश एवं देश की किसी भी उचित मूल्य दुकान से बायोमेट्रिक सत्यापन या ओटीपी के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश के 15 लाख से अधिक पात्र परिवारों द्वारा पोर्टेबिलिटी से अपनी सुविधा अनुसार अन्य दुकान से प्रतिमाह राशन प्राप्त किया जा रहा है। पात्र परिवारों को पूरे माह उचित मूल्य दुकान से राशन का वितरण किया जा रहा है।

भारत सरकार द्वारा पात्र परिवारों की पहचान सुनिश्चित करने एवं वास्तविक गरीब परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण करने तथा अपात्र एवं एक से अधिक बार नाम वाले हितग्राहियों को हटाकर नवीन हितग्राहियों को लाभांवित करने के लिये ई-केवायसी करवाना अनिवार्य किया गया है। इसमें 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को छोडकर, पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी उचित मूल्य दुकान पर लगाई गई पीओएस मशीन के साथ ही भारत सरकार के मेरा ई-केवायसी मोबाईल ऐप से हितग्राही के फेस अथेंटिकेशन द्वारा किया जा सकता है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

लगातार बढ़ रहा उज्जैन, जिले में बिजली कनेक्शन की संख्या 3.53 लाख से ऊपर पहुंची

1 साल में 1.73 लाख से अधिक नए बिजली उपभोक्ता जुड़े, सिंहस्थ तक ग्रिड की क्षमता बढ़ेगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश का मुख्य धार्मिक शहर उज्जैन लगातार अपनी सीमा को तो बढ़ा ही रहा है, यहां पर संसाधनों की भी भरमार है। साथ ही बीते 12 महीनों में बिजली के 1 लाख 73 हजार नए उपभोक्ता जिले में बढ़ गए हैं। बिजली कंपनी ने हाल ही में सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए कई ग्रिड की क्षमता बढ़ाने का प्लान बनाया है।

मप्र पश्चिम बिजली कंपनी द्वारा कैलेंडर वर्ष 2025 में 1.77 लाख नए बिजली कनेक्शन जारी किए गए हैं। यह पिछले वर्ष से करीब सात हजार ज्यादा हैं। उज्जैन राजस्व संभाग में 3 लाख 53 हजार 950 बिजली कनेक्शन जारी हो चुके हैं। पिछले बारह माह के दौरान उज्जैन जिले में 1 लाख 73 हजार से अधिक कनेक्शन जारी हुए हैं। इनमें से उज्जैन शहर में करीब 1 लाख 30 हजार एवं देहात में 2 लाख 82 हजार से ज्यादा कनेक्शन विद्यमान हैं। उज्जैन जिले में कृषि श्रेणी के ही 64 हजार 358 कनेक्शन हैं। प्रबंध निदेशक अनूपकुमार सिंह ने बताया कि इंदौर के बाद सबसे ज्यादा कनेक्शन उज्जैन जिले में 17300 जारी हुए हैं। 11000 कनेक्शनों के साथ रतलाम जिले में भी तीव्र वृद्धि दर्ज हुई है। धार जिले में 10950, देवास जिले में 9586 नए कनेक्शन वर्ष 2025 में जारी किए गए हैं। सिंह ने बताया कि वर्तमान में मालवा-निमाड़ में घरेलू, गैरघरेलू, कृषि, औद्योगिक इत्यादि श्रेणी के कुल 62 लाख बिजली उपभोक्ता हैं। आगामी सिंहस्थ को देखते हुए शहर में कई जगह 33 केवी ग्रिड की बिजली वितरण क्षमता को 5 एमवीए की और वृद्धि करने की योजना बनाई जा रही है।

राहवीर योजना अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायलों को तुरंत उपचार प्रदान किया जा रहा है

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार दोपहर कलेक्टर कार्यालय सभागृह में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विगत बैठक के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा कर की गई कार्यवाही से अवगत कराया गया। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के सभी ब्लैक स्पॉट्स का चिन्हांकन कर आवश्यक संकेतक और स्पीड ब्रेकर लगाए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए उच्चशिक्षा संस्थानों, सामाजिक संस्थानों को जोडकर नागरिकों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए जागरुक करें।

बैठक में मंडी में आने वाली ट्रेक्टर, ट्रालियों पर रेडियम लगाने, सड़क दुर्घटना प्रभावितों से दुर्घटना का मूल कारण जानकर उसका उचित समाधान करने के निर्देश दिए जिससे भविष्य में एक ही तरीके की सड़क दुर्घटनों की पुनरावृत्ति न हो। बैठक में स्कूल बसों में कैमरे लगाना सुनिश्चित कर सभी बसों की फिटनेस की सतत रूप से जांच करें और स्कूल बसों का संचालन निर्धारित मापदंडों अनुसार सुनिश्चित करे। बैठक में दो पहिया वाहनों पर हेलमेट की अनिवार्यता और चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट की अनिवार्यता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

फिर बदला मौसम का मिजाज, तापमान में 10 डिग्री का अंतर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिमी विक्षोभ का नया सिस्टम सक्रिय होने के बाद एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया है। शनिवार को सुबह से आसमान में बादल छाए हुए थे और सूर्य देव के दर्शन दोपहर बाद हुए। दिन भर 6 से 8 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलती रही। मौसम विभाग में 2 से 3 दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहने और मावठे की बारिश होने का अंदेशा जताया है।

मकर संक्रांति को सूर्य के उत्तरायण होने के बाद ठंड का असर कम होने लगता है, लेकिन इस बार मौसम बार-बार करवट बदल रहा है। कुछ दिन पहले हुई ओलावृष्टि और बारिश के बाद तापमान में आई गिरावट से ठंड बढ़ गई है। लेकिन 2 दिन से मौसम खुला हुआ था मौसम वैज्ञानिकों ने 31 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ का नया स्ट्रांग सिस्टम एक्टिवेट होने का अलर्ट जारी किया है। जो शनिवार को सटीक साबित हुआ आसमान में सुबह से ही बादल छाए हुए थे और सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए थे दोपहर बाद धूप निकली लेकिन वह भी माध्यम बनी रही इस बीच 6 से 8 किलोमीटर की ठंडी हवा से मौसम में ठंडक बनी हुई थी। स्थानीय जीवाजी राव वेधशाला के अनुसार अधिकतम तापमान 25.5 डिग्री दर्ज किया गया है। इससे पहले शुक्रवार शनिवार रात न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री दर्ज हुआ था। दिन रात के तापमान में 10 डिग्री का अंतर रह गया है। पश्चिमी विक्षोभ के नए स्ट्रांग सिस्टम के सक्रिय होने से फरवरी माह का प्रथम सप्ताह भी ठंड के बीच गुजर सकता है फिलहाल 2 से 3 दिन तक इसी तरह का मौसम बना रहने का अनुमान है। जिसके चलते जिले के कुछ हिस्सों में मावठे की बारिश हो सकती है।

सिंहस्थ के लिए किए जा रहे विकास कार्यों के लिए एक-एक दिन का समय महत्वपूर्ण है- कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शनिवार को सिहंस्थ मेला कार्यालय के सभागृह में सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे अधोसंरचना विकास के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरुप अधिकारी निर्माण कार्य स्थल पर उपस्थित रहकर नियमित रुप से प्रगतिरत कार्यों की मॉनीटरिंग करें। साथ ही कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे, जिससे श्रद्धालुओं के सिंहस्थ 2028 के अनुभव को भव्य, दिव्य और आध्यात्मिक स्वरूप दिया जा सके। समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों को सिंहस्थ के लिए किए जा रहे विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देकर कहा कि विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए एक-एक दिन महत्वपूर्ण है।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम को मार्ग चौडीकरण के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रत्येक सप्ताह नगर निगम मार्ग चौडीकरण के कार्यों की रिपोर्ट बैठक में प्रस्तुत करें और रिपोर्ट में किए गए कार्यों की फोटो भी संलग्न करें। समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम के सहायक यंत्री और उप यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में स्मार्ट सिटी सीईओ श्री संदीप शिवा ने जानकारी दी कि विक्रम कीर्ति मंदिर का इंटीरियर का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। बैठक में कलेक्टर ने वीरभारत न्यास के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में यूडीए के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

बादलों के कारण रात के तापमान में साढ़े 4 डिग्री की बढ़त, लेकिन ठंड में कोई कमी नहीं

आज सुबह से छाए घने बादल, सुबह 8 बजे तक कोहरा भी छाया रहा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उत्तर भारत में हो रही बर्फबारी और वहीं से बहकर आ रही हवाएं शहर की फिजा में ठंडक घोल रही हैं। वहीं आज सुबह फिर बादल छाए और कोहरा नजर आया। इसके कारण रात के तापमान में साढ़े 4 डिग्री की बढ़त दर्ज की गई। ठंड की चुभन सुबह भी बरकरार रही। आज तथा कल मावठे की संभावना भी जताई जा रही है।

वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 28 डिग्री रहा, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहा, लेकिन आज सुबह बादल छाने के बाद इसमें साढ़े 4 डिग्री का उछाल आया और यह 15.5 डिग्री पर पहुंच गया। हवाओं की अधिकतम रफ्तार 10 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची। सुबह हल्का कोहरा छाया नजर आ रहा था। इधर मौसम विभाग ने आज से लेकर 2 फरवरी तक मावठे की संभावना जताई है। वहीं धूप निकलने के बाद फिर से न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी जिससे ठंड और बढ़ जाएगी।

आज और कल बारिश के आसार - प्रदेश के कई हिस्सों में अभी बारिश से लेकर ओलावृष्टि तक की स्थिति बन रही है। मौसम केंद्र द्वारा कल जारी किए गए अगले 5 दिनों के पूर्वानुमान में आज तथा कल उज्जैन सहित प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। इससे तापमान में एक बार फिर कमी आने की संभावना है। इसके बाद मौसम फिर खुलेगा और तापमान बढ़ेगा।

सिंहस्थ 2028 की तैयारी.. यूडीए तैयार करेगा नया रोड नेटवर्क

उज्जैन विकास प्राधिकरण कर रहा 13 सड़कों का निर्माण - 8 मार्गों पर निर्माण कार्य शुरू, 5 परियोजनाएं स्वीकृति के इंतजार में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 से पहले शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) द्वारा 13 नई सडक़ों के निर्माण की योजना पर काम किया जा रहा है। इनमें से 8 सडक़ों को प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है, टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है और निर्माण कार्य भी प्रारंभ कर दिए गए हैं। वहीं, शेष 5 सडक़ परियोजनाओं की कार्ययोजना तैयार है, जिन्हें शासन की मंजूरी मिलते ही शुरू किया जाएगा।

उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी ने बताया कि आगामी सिंहस्थ में करोड़ों श्रृध्दालुओं का उज्जै आगमन होना है। इसे देखते हुए शासन ने स्वीकृत सभी सडक़ों पर तय समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य सिंहस्थ के दौरान आवागमन को सुगम बनाना, वैकल्पिक मार्ग विकसित करना और शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों को बेहतर कनेक्टिविटी देना है। फिलहाल मंजूर हो चुकी 8 सडक़ों के निर्माण का काम विभाग ने शुरु कर दिया है। शेष कार्य भी स्वीकृति के बाद आरंभ कर दिए जाएंगे।

इन सडक़ों को मिल चुकी है स्वीकृति- सीईओ श्री सोनी के मुताबिक स्वीकृत हो चुके 8 सडक़ निर्माम कार्यों में शंकराचार्य चौराहा से दत्त अखाड़ा, भूखी माता, उज्जडखेड़ा हनुमान होते हुए उज्जैन-बडऩगर रोड तक सीसी रोड, भर्तहरी गुफा से ऋणमुक्तेश्वर तक 12 मीटर चौड़ी सडक़, गढक़ालिका मंदिर से पीर मत्स्येंद्रनाथ तक 12 मीटर चौड़ी सडक़, जूना सोमवारिया से पौपली नाका व अंकपात चौराहा तक 24 मीटर चौड़ी सडक़, कर्कराज पार्किंग से भूखी माता रोड (4 लेन) और लालपुल तक सडक़ निर्माण, कार्तिक मेला ग्राउंड से नाईखेड़ी रोड (सिंहस्थ बाईपास) तक सडक़, महाराजवाड़ा चौराहा से हरसिद्धि मंदिर चौराहा होते हुए क्षिप्रा नदी तक 24 मीटर चौड़ी सडक़ और प्रशांति धाम चौक से शनि मंदिर तक 12 मीटर चौड़ी सडक़ शामिल हैं।

इन मार्गों की स्वीकृति का इंतजार

-खाकचौक वीर सावरकर चौराहा, गढक़ालिका-भर्तहरी गुफा से रंजीत हनुमान तक मार्ग निर्माण, क्षिप्रा नदी पर पुल सहित।

-क्षिप्रा नदी के पश्चिमी भाग पर प्रस्तावित आरयूआर-22, 30 मीटर चौड़ी सडक़।

-भैरवगढ़ जेल चौराहा से पिपलीनाका तक 6 लेन, 45 मीटर चौड़ी सडक़।

-शनि मंदिर से जीवनखेड़ी रोड (एमआर-27) तक 30 मीटर चौड़ी सडक़।

-पिपलीनाका से गढक़ालिका मंदिर और ओखलेश्वर श्मशान तक 45 मीटर चौड़ी सडक़।

इसलिए खास है यह योजना

-सिंहस्थ 2028 के दौरान यातायात दबाव कम करने में मदद।

-प्रमुख मंदिरों और घाटों तक सुगम पहुंच।

-4 लेन और 6 लेन सडक़ों से शहर के प्रवेश और निकास मार्ग होंगे मजबूत।

-भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया रोड नेटवर्क।

बकायादारों के बैंक खाते फ्रीज करने की तैयारी में बिजली कंपनी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अब बिजली बिल बकाया छोड़कर शहर या - राज्य बदल लेने वालों को बचने का कोई रास्ता नहीं बचा है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत - वितरण कंपनी ने पुराने और बड़े बकायादारों पर शिकंजा कसते हुए डिजिटल निगरानी, मुखबिर तंत्र और - बैंकिंग समन्वय के जरिए सख्त वसूली अभियान शुरू कर दिया है। इस हाईटेक कार्रवाई में अब तक लगभग 100 ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान की जा चुकी है, जिन्होंने उज्जैन छोड़ दिया है, लेकिन लाखों रुपए का बकाया छोड़ गए हैं। सबसे ज्यादा बकायादार पुराने शहर के इलाकों में हैं। वहीं जिले में एक हजार बकायादार सामने आए हैं। विभाग के अधिकारी शहर और जिले में जो पुराने कनेक्शन, आधार-पैन लिंक, मोबाइल नंबर, बैंक खातों और भुगतान इतिहास का विश्लेषण कर रही है। डिजिटल रिकॉर्ड से यह पता लगाया जा रहा है कि उपभोक्ता वर्तमान में किस शहर, राज्य और बैंक खाते से जुड़े हैं। मुखबिर तंत्र से यह भी जानकारी जुटाई जा रही है कि कहीं बकायादार किसी अन्य पते पर नया कनेक्शन तो नहीं चला रहे। उल्लेखनीय है कि जिन उपभोक्ताओं पर लंबे समय से भारी बकाया है, उनके खिलाफ खाते फ्रीज कराना, वेतन अटैचमेंट और कानूनी नोटिस जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, कई मामलों में बकाया राशि ब्याज और पेनल्टी जोड़ने के बाद लाखों रुपये तक पहुंच चुकी है।

बाइक सवार दोस्तों को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भट्टे पर काम करने के बाद तीन दोस्त बाइक से घर लौट रहे थे रास्ते में कार से भिड़ंत हो गई। तीनों दोस्तों को उज्जैन लाया गया लेकिन एक की मौत हो चुकी थी। दो घायलों का उपचार चल रहा है। महिदपुर रोड पर ग्राम जलोदिया जागीर में रहने वाला उमराव पिता बापू सिंह ईट भट्टे पर काम करता था। रात में काम खत्म होने पर अपने दो दोस्त प्रहलाद और मांगीलाल के साथ बाइक से घर लौट रहा था नागदा और जलोदिया के बीच तेज गति से आई कार ने बाइक को टक्कर मार दी। भिड़ंत में बाइक सवार तीनों दोस्त घायल हो गए उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए उज्जैन लाया गया। लेकिन ओंकार की मौत हो चुकी थी। दोनों दोस्त घायल थे जिन्हें उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती किया गया। दुर्घटना की जानकारी लगते ही मृतक और घायलों के परिजन रात में ही उज्जैन पहुंच गए थे। शनिवार सुबह अस्पताल पुलिस चौकी द्वारा मृतक का पोस्टमार्टम करा कर शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सोपा गया है।

बाल भिक्षा वृत्ति करवाने पर 5 वर्ष के कारावास एवं एक लाख जुर्माने की सजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के नेतृत्व में जिले में भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान का संचालन किया जा रहा है। भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान संबंधी समीक्षा बैठक में विभिन्न सहयोगी समन्वय विभागों, बाल कल्याण समिति सदस्य एवं स्वैच्छिक संगठन सदस्यों के द्वारा चिन्हित स्थलों पर रोकथाम संबंधी कार्ययोजना का पुनर्निर्धारण किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्री बृजेश त्रिपाठी ने जानकारी दी कि जेजे एक्ट की धारा 76 नियम निर्देशों के तहत बालकों से भिक्षा वृत्ति करवाना दंडनीय अपराध है जिसमें बच्चों से भिक्षा वृत्ति करवाने वाले व्यक्ति के लिए 5वर्ष तक का कारावास एवं एक लाख रुपए के जुर्माने से दंडित किए जाने का प्रावधान है।

समीक्षा बैठक में बाल भिक्षा वृत्ति रोकथाम उन्मूलन अभियान संबंधी जनजागरूकता के तहत नगरीय निकाय के डिजिटल प्लेटफॉर्म संदेश, सिग्नल प्वाइंट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धार्मिक स्थलों पर स्टीकर, स्लोगन नारा लेखन जैसे प्रचार-प्रसार को गति देने का भी निर्णय लिया गया। अभियान के प्रभावी क्रियांवयन के लिए नगरीय निकाय के स्माइल प्रोजेक्ट और पुलिस द्वारा चलाए जा रहे प्रोजेक्ट मुस्कान के साथ समन्वय कर कार्य करने पर भी सहमति बनी।

बैठक में वन स्टॉप सेंटर प्रशासक श्रीमती वीणा, विशेष किशोर पुलिस इकाई सदस्य श्री अवधेश सिंह गौर, श्रम निरीक्षक श्री सुधीर शर्मा ,बाल कल्याण समिति सदस्य श्रीमती प्रीति गोयल, जेजे एक्ट संस्था सीएसए सदस्य श्रीमती रानी प्रजापति, सुश्री तृप्ति चौधरी, सुश्री आल्या उपस्थिति थीं।

चार बदमाशों ने चुराई थी सोलर प्लांट से कॉपर केबल - हिरासत में आया एक आरोपी, तीन की तलाश में दबिश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण क्षेत्र में सोलर प्लांट से कॉपर केबल चोरी करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। बदमाश ने पूछताछ में तीन साथियों के साथ वारदात करना कबूल किया। हिरासत में आए आरोपी से 46 हजार कीमत की केबल जप्त की गई है। मकड़ोन थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम कड़ोदिया में लगे सोलर प्लांट से कुछ दिन पहले कॉपर केबल चोरी होना सामने आया था। सोलर प्लांट इंचार्ज की शिकायत पर मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू की गई थी। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद ग्राम कड़ोदिया के रहने वाले अमन पिता फकीर मोहम्मद को हिरासत में लिया गया जिससे पूछताछ में 46 हजार रुपये कीमत की कॉपर केबल बरामद की गई है। बदमाश ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात करना कबूल किया है। हिरासत में आए बदमाश को न्यायालय में पेश के रिमांड पर लिया गया है उसके तीन साथियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही तीनों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जाएगी। संभावना है कि कुछ और वारदातों का खुलासा हो सकता है। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह राजपूत के अनुसार बदमाश को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा करने में उप निरीक्षक हुकुमसिंह सोलंकी, आरक्षक राजेन्द्र सिंह, सैनिक मांगीलाल, राहुल, बहादुर की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

गरोठ हाईवे पर सात थानों की पुलिस गश्त पर निकली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ हाईवे ब्रिज पर आए दिन ट्रक कटिंग और लूटपाट की वारदात होना सामने आ रहा है। जिस पर अंकुश लगाने के लिए बीती रात सात थानों की पुलिस गश्त पर निकली। अब प्रतिदिन रात में पुलिस हाईवे पर सर्चिंग करेगी। एक शहर से दूसरे शहर की दूरी कम करने और आवागमन को बेहतर बनाने के लिए गरोठ हाईवे ब्रिज का निर्माण किया गया है जो काफी लंबा बना हुआ है। ब्रिज के आसपास उज्जैन जिले के कई थानों की सीमा लगती है। ब्रिज पर पिछले कई दिनों से ट्रक चालकों के साथ कटिंग की वारदात और चार पहिया वाहन चालकों के साथ लूटपाट की वारदात होना सामने आ रहा है। चालकों के साथ होने वाली वारदात के बाद उन्हें मामले की शिकायत दर्ज करने के लिए भी एक थाने से दूसरे थाने की सीमा में भटकना पड़ता है। लगातार सामने आ रही वारदातों को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा द्वारा वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए गरोठ हाईवे ब्रिज पर रात्रि गश्त को लगातार किए जाने के निर्देश जारी करते हुए बीती रात सात थानों चिमनगंज, पवासा, नागझिरी, झारड़ा, पान विहार चौकी, राघवी और भेरूगढ़ थाना पुलिस की हाईवे पर ही ब्रीफिंग की गई और उन्हें लगातार गश्त के लिए रवाना किया गया, आधी रात को शुरू हुई गश्त अल सुबह तक जारी रही। अब पुलिस रात्रि में लगातार गरोठ हाईवे ब्रिज पर सर्चिंग करती दिखाई देगी। गौरतलब हो कि हाईवे पर चलते ट्रकों पर बाइक सवार बदमाशों द्वारा चढ़कर वारदात की जा रही है। बदमाश हथियारों से लैस होते हैं। जो दिन दहाड़े भी वारदात करने से नहीं चूकते हैं। चार पहिया वाहन चालकों को तो रोक कर लूटपाट की जाती है। पुलिस को आशंका है की वारदात में पारदी कंजर गिरोह शामिल है। जो आसपास के राज्यों से भी पहुंचते हैं।

चाकू से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को सजा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चाकू मारकर हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी को 19 माह बाद न्यायालय ने पांच साल की सजा के साथ अर्थदंड से दंडित किया है। सजा का फैसला आते ही पुलिस ने आरोपी को कस्टडी में लिया और केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ की सलाखों के पीछे पहुंचाया।

माधवनगर थाना प्रभारी राकेश भारती ने बताया कि 12 जून 2024 को जीरो पाइंट ब्रिज के पास जयसिंहपुरा में रहने वाले मुकेश पिता मनोहर राव पर चाकू से जानलेवा हमला आरोपी धर्मेन्द्र पिता किशनलाल निवासी मोहनपुरा बड़नगर रोड द्वारा किया गया था। मामले में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी को 2 दिन बाद गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। जहां से न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। अप्रैल 2025 में आरोपी को जमानत मिल गई थी। लेकिन सुनवाई जारी थी। 19 माह बाद शुक्रवार को जिला एवं सत्र प्रधान न्यायधीश सीसी गुप्ता ने सुनवाई पूरी होने पर फैसला सुनाते हुए आरोपी को हत्या के प्रयास में 5 साल की सजा और 5 हजार के अर्थदंड के साथ अवैध हथियार रखने के मामले में 1 साल की सजा के साथ 1 हजार रूपये अर्थदंड से दंडित किया है। प्रकरण में विवेचना तत्कालीन एसआई पवन वास्कले द्वारा की गई थी।

इंदौर-उज्जैन मार्ग पर शनिवार दोपहर दर्दनाक हादसा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर-उज्जैन मार्ग पर शनिवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। निर्माणाधीन ब्रिज के पिलर पर लगाये जा रहे सरियो के नीचे दबाने से मजदूर की मौत हो गई।

सिंहस्थ 2028 के मध्यनजर इंदौर-उज्जैन मार्ग को सिक्स लाइन में तब्दील करने के साथ ब्रिज का निर्माण कार्य किया जा रहा है। नानाखेड़ा क्षेत्र स्थित शांति पैलेस होटल के सामने चल रहे ब्रिज निर्माण कार्य के दौरान पिलरों पर लोहे के सरियों का जाल बिछाया जा रहा है। शनिवार दोपहर पिलर पर चार से पांच मजदूर काम करने के लिए चले थे। उसी दौरान सरियों के जाल का संतुलन बिगड़ गया और एक साइड पूरी तरह से झुक गया। काम कर रहा एक मजदूर नीचे दब गया। हादसा होते ही अफरा-तफरी मच गई। मजदूर के दबने की खबर मिलते ही नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील टीम के साथ मौके पर पहुंचे। नानाखेड़ा थाना पुलिस टीम भी घटनास्थल पर आ गई थी। करीब 30 फीट की ऊंचाई पर सरियों के नीचे दबे मजदूर को निकालने के लिए मशक्कत शुरू की गई, सरियों का वजन कई टन होने पर उसे हाथों से हटाना मुश्किल हो रहा था, पुलिस ने गैस कटर की मदद से सरियों को कटवाया और करीब 50 से 60 मिनट बाद मजदूर को बाहर निकाला। मजदूर की सांस उखड़ चुकी थी तत्काल चरक अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मजदूर की जानकारी जुटाना पर सामने आया कि झारखंड का रहने वाला अशोक 35 से 40 वर्ष है। जो 15 मजदूरों के साथ पिछले पांच माह से निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा था। पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम किया गया है पोस्टमार्टम के बाद जांच शुरू की जाएगी। हादसे में मजदूर के दबने की खबर मिलते ही एसडीएम पवन बारिया मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने बताया कि सिक्स लेन और ब्रिज निर्माण का ठेका रवि इंफ्राबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड के पास होने की जानकारी सामने आई है। जिनके अधिकारियों को बुलाया गया है। फिलहाल मजदूर को शासन की ओर से जो भी मदद मिलना है उसके प्रयास किया जा रहे हैं, वही पोस्टमार्टम के बाद शव झारखंड तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी।